Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

गुरुवार | 19 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 218 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010

2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....



तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 82470.74
निफ्टी 25357.85

सर्राफा बाजार

सोना 1,34,765.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,80,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर पर चला बुलडोजर

मुंबई। भिंडी बाजार में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के पुराने पुश्तैनी घर को ट्रस्ट ने बुलडोजर चलाकर गिरा दिया। पाकमोडिया स्ट्रीट स्थित मुसफिखाना बिल्डिंग में गुरुवार सुबह से तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान इलाके में पुलिस बल तैनात रहा।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री पहुंचे बेंती राजभवन

प्रतापगढ़। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गुरुवार सुबह बेंती स्थित राजभवन का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने राजभवन परिसर में मौजूद व्यवस्थाओं और वहां की गतिविधियों का जायजा लिया। उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं और सेवादारों में खासा उत्साह देखने को मिला।

एआई से छोटे शहरों तक पहुंचेगी कैंसर इलाज की विशेषज्ञ सलाह

नई दिल्ली। परिवार में किसी सदस्य को कैंसर होने की खबर मिलते ही इलाज, सही डॉक्टर और खर्च को लेकर कई सवाल खड़े हो जाते हैं। छोटे शहरों और गांवों में मरीजों के लिए अनुभवी विशेषज्ञों तक पहुंचना बड़ी चुनौती है। भारत में कैंसर के बड़े अस्पताल और आधुनिक इलाज की सुविधाएं मौजूद हैं, लेकिन इनका लाभ अभी भी हर मरीज तक नहीं पहुंच पा रहा है। ज्यादातर विशेषज्ञ डॉक्टर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं बड़े शहरों तक सीमित हैं।

दिसंबर के अंत या जनवरी 2027 में लॉन्च होगा गगनयान

नई दिल्ली। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की पहली मानवरहित उड़ान की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को बताया कि मिशन की पहली उड़ान (जी-1) दिसंबर 2026 के अंत या जनवरी 2027 की शुरुआत में लॉन्च करने की तैयारी है। यह उड़ान श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से रवाना होगी। इसके साथ ही भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ेगा।

पुरानी सरकारों का अनुभव खट्टा था, अब देश में है 'दोस्त सरकार': पीएम मोदी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिक्की के 100वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में अब ऐसी सरकार है, जो उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करती है। उन्होंने पुरानी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले उद्योगपतियों और सरकार के बीच अनुभव खट्टा रहा है, लेकिन अब देश में 'दोस्त सरकार' है, जो कारोबार और उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में देश के करीब 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने 1970 के दशक में दिए गए 'गरीबी हटाओ' के नारे का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय नीतियों और नीयत में कमी थी। केवल नारे देने से गरीबी दूर नहीं होती, बल्कि इसके लिए सही नीतियों, मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी योजनाओं की जरूरत होती है।

पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने बीते वर्षों में आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार का लक्ष्य देश को आत्मनिर्भर बनाना और विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है। इसके लिए उद्योग जगत की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योगों के विकास, निवेश को बढ़ावा देने और नए अवसर तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने उद्योगपतियों और कारोबारियों से विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए अगले 20 वर्षों के लक्ष्य तय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए उद्योग जगत को आगे आकर अपने सुझाव देने चाहिए। सरकार और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल से रोजगार, निवेश, तकनीक और उत्पादन के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और मजबूत स्थान दिलाने में मदद मिलेगी।

निकल्स और फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को संभला

70 रन पर गंवाए 5 विकेट, छठे विकेट के लिये नाबाद 207 रन जोड़े

यूथ इंडिया, सुल्तानपुर



भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 243 रन बना लिए। एक समय न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल में नजर आ रही थी। उसके शुरुआती चार विकेट महज 52 रन पर गिर गए थे, जबकि पांचवां विकेट 70 रन के स्कोर पर गंवा दिया था। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए कीवी बल्लेबाजी को दबाव में ला दिया था।

हालांकि, इसके बाद हेनरी निकल्स और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों के सामने मोर्चा संभाल लिया। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला। निकल्स ने शानदार शतक जड़ते हुए नाबाद 113 रन बनाए, जबकि ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं। दोनों ने छठे विकेट के लिए अब तक नाबाद 173 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर ली है।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपनी धारदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। आकाशदीप और अंशुल कंबोज ने भी एक-एक विकेट हासिल किया। शुरुआती पांच विकेट जल्दी गिरने के बाद भारतीय टीम मैच पर मजबूत पकड़ बनाती दिखाई दे रही थी, लेकिन निकल्स और फिलिप्स की साझेदारी ने मुकाबले का रुख बदल दिया।

हिम्मत है तो अखिलेश से मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने को कहें: राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान पर निशाना साधते हुए तीखा बयान दिया है। उन्होंने आजम खान को चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें पहले अपनी जान बचाने की चिंता करनी चाहिए।

अवामी लीग के बंद के ऐलान के बाद हिंसा भड़की, 28 जिलों में बम धमाके और आगजनी

यूथ इंडिया, ढ़ाका

बांग्लादेश में अवामी लीग के देशव्यापी बंद के ऐलान के बीच हिंसा भड़क गई है। राजधानी ढाका में सुबह होने से पहले कई जगह देसी बम धमाके हुए। देश के 28 जिलों में आगजनी, तोड़फोड़ और हमलों की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के चटगांव स्थित पुश्तैनी घर में आग लगा दी। इसके अलावा उनके ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी निशाना बनाया गया। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर भी हमले किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन घटनाओं के पीछे प्रधानमंत्री तारिक रहमान की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं का हाथ होने की आशंका जताई गई है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पिछले दो दिनों में कई जिलों में वाहनों और राजनीतिक दलों के कार्यालयों को आग के हवाले किया गया। इनमें बीएनपी के कार्यालय और नेताओं की संपत्तियां भी शामिल हैं।

अवामी लीग के बंद के ऐलान के बाद पुलिस ने राजधानी ढाका में 24 घंटे के भीतर 565 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में शेख हसीना सरकार में शिक्षा मंत्री रहे नुरुल इस्लाम नाहिद भी शामिल हैं। उन्हें बुधवार आधी रात को उनके घर से हिरासत में लिया गया।

अवामी लीग ने पिछले साल विशेष ट्रिब्यूनल द्वारा शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा की बरसी पर बंद का ऐलान किया था। हसीना को जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान कार्रवाई से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में उनकी गैरमौजूदगी में सजा सुनाई गई थी।

रामायण 1,500 करोड़ पार

यूथ इंडिया, सुल्तानपुर

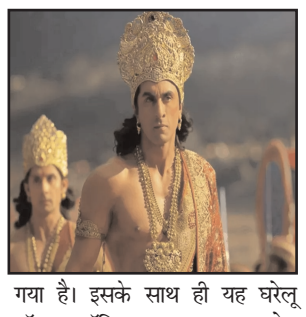

रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' ने बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बना दिया है। फिल्म ने रिलीज के महज 14 दिनों के भीतर दुनियाभर में 1,519.05 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही यह सबसे तेजी से 1,500 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' के नाम था, जिसने 16 दिनों में यह आंकड़ा पार किया था।

सैकनिल्क के मुताबिक, 'रामायण' का भारत में ग्रॉस कलेक्शन 1,009.05 करोड़ पहुंच गया है। इसके साथ ही यह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली छठी भारतीय और तीसरी हिंदी फिल्म बन गई है। इससे पहले 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ क्लब में 'बाहुबली 2', 'केजीएफ 2' और 'पुष्पा 2' जैसी फिल्में भी शामिल हैं। खास बात यह है कि यश की दो फिल्में 'केजीएफ 2' और 'रामायण' इस खास क्लब में जगह बना चुकी हैं।

मेरी यात्रा को लेकर छाया कुहासा छंट गया: हरीश रावत

यूथ इंडिया, देहरादून



उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत में राहुल गांधी से मुलाकात के बाद एक बार फिर नया जोश देखने को मिल रहा है। पार्टी नेतृत्व से मिली अहमियत को उन्होंने अपने लिए बड़ा प्रोत्साहन बताया है। इस मुलाकात के बाद हरीश रावत की राजनीतिक सक्रियता और आगामी रणनीति को लेकर नए संकेत मिलने लगे हैं।

हरीश रावत ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उनकी यात्रा को लेकर जो कुहासा छाया हुआ था, वह अब छंट गया है। उनके इस बयान को कांग्रेस संगठन में उनकी भूमिका और भविष्य की राजनीतिक गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के साथ हुई बातचीत ने उनके मन में पार्टी के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह पैदा किया है।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, उत्तराखंड कांग्रेस में हरीश रावत का लंबे समय से महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। उम्र के इस पड़ाव पर पार्टी नेतृत्व की ओर से मिली प्राथमिकता को वह अपने राजनीतिक सफर का अहम पड़ाव मान रहे हैं। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद उनके तेवर और सक्रियता में आए बदलाव ने प्रदेश की राजनीति में चर्चाएं तेज कर दी हैं।

इस घटनाक्रम को उत्तराखंड कांग्रेस के भीतर आगामी राजनीतिक तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरीश रावत की बढ़ती सक्रियता से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी नई उम्मीद जगी है। हालांकि, उनकी आगे की भूमिका और पार्टी की ओर से उन्हें मिलने वाली जिम्मेदारी को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

अखिलेश के रोड शो में जेसीबी की चपेट में आने से भाजपा नेता के बेटे की मौत

यूथ इंडिया, गोरखपुर



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। रोड शो में शामिल जेसीबी की चपेट में आने से भाजपा नेता के बेटे आर्य वर्धन की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजन और परिचित मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक, अखिलेश यादव के रोड शो में जेसीबी भी शामिल थी। इसी दौरान आर्य वर्धन जेसीबी की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। घटना ने रोड शो के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद कार्रवाई को लेकर करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन पुलिस की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज परिजन और भाजपा कार्यकर्ता झारखंडी मोड़ पर पहुंच गए। उन्होंने गोरखपुर-देवरिया मार्ग जाम कर धरना शुरू कर दिया और मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई।

आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अंतरिम जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका खारिज

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से गुरुवार को बड़ी कानूनी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें आजम खां को मिली अंतरिम जमानत को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आजम खां को फिलहाल राहत बरकरार रहेगी।

ईडी ने अदालत में आजम खां को दी गई अंतरिम जमानत के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की थी। जांच एजेंसी का प्रयास था कि अंतरिम जमानत के आदेश पर पुनर्विचार किया जाए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की दलीलों को स्वीकार नहीं किया और उसकी याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले बुधवार को आजम खां जेल से रिहा हुए थे। उनकी रिहाई के बाद समाजवादी पार्टी के समर्थकों और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। लंबे समय से कानूनी मामलों का सामना कर रहे आजम खां के लिए सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला एक महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आजम खां की अंतरिम जमानत को लेकर ईडी की चुनौती समाप्त हो गई है। इस घटनाक्रम को उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चक्रवात अकवान से पहले ओडिशा में अलर्ट

यूथ इंडिया, भुवनेश्वर

चक्रवात अकवान के खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। तूफान के संभावित प्रभाव से पहले राज्य के अलग-अलग इलाकों से करीब 50 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सरकारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

मौसम की गंभीर स्थिति को देखते हुए ओडिशा के छह जिलों में 19 से 21 नवंबर तक सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने का फैसला लिया गया है। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। राहत शिविरों में लोगों के लिए भोजन, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवात अकवान के प्रभाव से हवा की रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। इसके साथ ही कई इलाकों में तेज बारिश और आंधी का खतरा बना हुआ है। इस चक्रवात का असर ओडिशा समेत देश के करीब 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। प्रशासन ने तटीय और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

चक्रवात को देखते हुए राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन टीमों, पुलिस और स्थानीय प्रशासन को अलर्ट पर रखा है। लोगों को समुद्र और निचले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के चलते संबंधित विभागों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य समय रहते लोगों को सुरक्षित निकालकर जान-माल के नुकसान को कम करना है।

जंगलों में सुरक्षाबलों को मिला हथियारों का जखीरा

आंध्र प्रदेश। रामपाचोडावरम जिले के जंगलों में सुरक्षाबलों ने माओवादी-विरोधी अभियान के दौरान हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और माओवादियों से जुड़ी अन्य संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं।

इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुट गई हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आंध्र प्रदेश स्पेशल पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त रूप से जंगलों में अभियान चलाया था।

गाजियाबाद कोर्ट में पेश नहीं हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद, घर की कुर्की का आदेश जारी

- 2018 के मारपीट मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट सख्त, 17 नवंबर की पेशी पर गैरहाजिरी के बाद कार्रवाई, 8 दिसंबर को अगली सुनवाई

यूथ इंडिया, गाजियाबाद



नगीना से सांसद एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। वर्ष 2018 के मारपीट से जुड़े एक पुराने मामले में गाजियाबाद की एमपी-एमएलए अदालत ने निर्धारित तारीख पर पेश नहीं होने के बाद उनके घर की कुर्की का आदेश जारी किया है। अदालत की इस कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है।

मामला वर्ष 2018 का है, जब साहिबाबाद थाना क्षेत्र के वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। शिकायतकर्ता धर्मेंद्र कुमार ने आरोप लगाया था कि हथियारों को लेकर सवाल पूछने पर चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों ने उनके साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और धमकी दी। इसी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज हुआ था और तभी से यह प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत की ओर से पहले भी चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाने की कार्रवाई सामने आ चुकी है। इसी क्रम में 17 नवंबर 2026 को निर्धारित पेशी पर उनकी अनुपस्थिति को अदालत ने गंभीरता से लिया। इसके बाद उनके घर की कुर्की से संबंधित आदेश जारी किया गया।

वहीं, चंद्रशेखर आजाद के अधिवक्ता चांद आलम ने अदालत में प्रार्थनापत्र देकर अगली तारीख पर सांसद को पेश होने की अनुमति मांगी थी। सांसद चंद्रशेखर आजाद का कहना है कि 17 नवंबर को वह मुंबई में पहले से निर्धारित संसदीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के कारण अदालत नहीं पहुंच सके थे। उनके अनुसार, उनके अधिवक्ता ने इस संबंध में अदालत को जानकारी भी दी थी।

अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर आजाद ने राजनीतिक आरोप भी लगाए। उन्होंने एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी के गठबंधन का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि गठबंधन से बौखलाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में उनका बयान उनका अपना पक्ष है, जबकि मामले में अदालत की कार्यवाही न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ रही है।

ओयो होटल में बेटियों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल!

- कैराना में महंत ने दो युवकों को पकड़ा, युवती को बुर्का पहनाने का आरोप
- कश्यप समाज की युवती को होटल ले जाने का दावा, महंत योगी गौतम नाथ का वीडियो वायरल

यूथ इंडिया, कैराना



ओयो होटल के नाम पर संचालित हो रहे होटलों की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कैराना में सामने आए एक घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भगवाधारी संत महंत योगी गौतम नाथ दो युवकों को पकड़कर थाने ले जाते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि दोनों युवक एक युवती को बुर्का पहनाकर ओयो होटल लेकर पहुंचे थे।

उपलब्ध वीडियो और सामने आए दावों के अनुसार, महंत योगी गौतम नाथ को इसकी जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले करने के लिए थाने ले जाया गया। बताया जा रहा है कि युवती कश्यप समाज से संबंधित है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल होटल प्रबंधन की भूमिका को लेकर है। आखिर होटल में कमरा किस आधार पर दिया गया? क्या संबंधित लोगों के पहचान पत्रों का नियमानुसार सत्यापन किया गया था? क्या होटल में आने वाले लोगों की जानकारी और रिकॉर्ड सही तरीके से सुरक्षित रखे जा रहे हैं?

यदि होटल प्रबंधन की ओर से निर्धारित नियमों की अनदेखी की गई है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या प्रशासन ऐसे होटलों की नियमित जांच करता है या कार्रवाई किसी बड़ी घटना के बाद ही होती है?

ओयो के नाम से संचालित होटल केवल ऑनलाइन बुकिंग और कमरों की उपलब्धता तक सीमित नहीं हो सकते। होटल संचालकों को पहचान सत्यापन, सुरक्षा नियमों और कानूनी प्रावधानों का पालन करना ही होगा। किसी भी शिकायत या संदिग्ध गतिविधि को गंभीरता से लेना आवश्यक है।

अब पूरे मामले में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवती का बयान, उसकी सहमति, दोनों युवकों की भूमिका, होटल के सीसीटीवी फुटेज, बुकिंग रिकॉर्ड और पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन या अपराध सामने आता है तो संबंधित लोगों और होटल प्रबंधन के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

आखिर ओयो होटल में पहचान सत्यापन और सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या होटल संचालकों की जवाबदेही तय होगी? क्या प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएगा?

मेरा बस चलता तो मथुरा में गुंबद पर चलवा देता कुदाल: मयंकेश्वर शरण

यूथ इंडिया, प्रतापगढ़



उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री और प्रतापगढ़ के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने मथुरा में मंदिर निर्माण को लेकर बड़ा बयान दिया है। श्रीराम कथा के दौरान उन्होंने कहा कि मथुरा में 100 प्रतिशत नहीं, बल्कि एक करोड़ प्रतिशत मंदिर बनेगा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

मंत्री ने वृंदावन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां रहना है तो राधे-राधे कहना है। उन्होंने अपने मथुरा दौरे का अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वह पिछले दिनों मथुरा गए थे, तब उनके मन में गुंबद पर चढ़कर कुदाल से उसे तोड़ने का विचार आया था। हालांकि, संवैधानिक पद पर होने के कारण उन्होंने ऐसा कदम नहीं उठाया।

मयंकेश्वर शरण सिंह ने आगे कहा कि जल्द ही गुंबद टूटेगा और मथुरा में भव्य मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने मंदिर निर्माण को लेकर अपना विश्वास जताते हुए कहा कि मथुरा में मंदिर बनने को लेकर उन्हें पूरा भरोसा है। उनके बयान में धार्मिक आस्था और मंदिर निर्माण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया।

राज्यमंत्री के इस बयान के सामने आने के बाद मथुरा के धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे पर बहस तेज होने की संभावना है। संवैधानिक पद पर बैठे मंत्री की ओर से इस तरह की टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठ सकते हैं। फिलहाल उनके बयान पर विपक्षी दलों और अन्य राजनीतिक नेताओं की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

शामली में गैस सिलेंडर फटने से मकान में लगी भीषण आग, मां और दो बेटियों की दर्दनाक मौत

- शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका
- आग की चपेट में आकर 32 वर्षीय साईदा और 13 व 11 साल की बेटियों ने गंवाई जान
- सिलेंडर में धमाके से मची अफरा-तफरी



यूथ इंडिया, शामली

बाबरी थाना क्षेत्र के गांव कैड़ी में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। एक मकान में अचानक लगी भीषण आग और उसके बाद गैस सिलेंडर में हुए धमाके से मां और उसकी दो बेटियों की जलकर मौत हो गई। हादसे के समय तीनों घर के अंदर सो रही थीं। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिवार में चीख-पुकार मची है।

जानकारी के अनुसार, गांव कैड़ी निवासी साजिद के मकान में बुधवार रात करीब 12 बजे अचानक आग लग गई। मकान के एक हिस्से में साजिद की 32 वर्षीय पत्नी साईदा अपनी दो बेटियों 13 वर्षीय अदन और 11 वर्षीय माहिरा के साथ सो रही थीं। अचानक आग की लपटें उठने लगीं और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि तीनों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

आग की भयावहता के बीच मकान में रखा गैस सिलेंडर भी तेज धमाके के साथ फट गया। इसके बाद आग ने मकान के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

गनीमत रही कि मकान के दूसरे हिस्से में सो रहे साजिद और उनके दो अन्य बच्चों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। बाबरी थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद दमकल विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

आग बुझने के बाद जब पुलिस और बचाव दल मकान के अंदर पहुंचे तो वहां का दृश्य बेहद दर्दनाक था। आग की चपेट में आने से साईदा और उनकी दोनों बेटियों की मौत हो चुकी थी। तीनों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। मृतका के पति साजिद ने भी घटना को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर की।

एक ही परिवार की तीन सदस्यों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चकरपुर मंडी की बदहाली पर भड़के मंडी निदेशक, अधिकारियों को लगाई फटकार

कानपुर। चकरपुर मंडी में सफाई व्यवस्था की बदहाली देखकर मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह बुधवार को नाराज हो गए। औचक निरीक्षण के दौरान मंडी परिसर में जगह-जगह कूड़े के ढेर और चोक नालियां मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने उपनिदेशक प्रशासन (विपणन) संजय कुमार सिंह और मंडी समिति के सचिव विजिन कुमार बालियान को सफाई व्यवस्था में लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए जवाबदेही तय की। मंडी सचिव को फटकार लगाते हुए उन्होंने कहा, भांग पी रखी है क्या? हटिए यहां से। निदेशक ने दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी कर 10 दिनों के भीतर मंडी की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में सुधार नहीं हुआ और दोबारा लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। व्यवस्थाओं में सुधार की हकीकत परखने के लिए 28 नवंबर को निदेशालय की टीम दोबारा चकरपुर मंडी का निरीक्षण करेगी। इस दौरान सफाई व्यवस्था, कूड़ा निस्तारण और नालियों की स्थिति की जांच की जाएगी। अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर सभी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

- एक वर्षीय मासूम जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही
- तेज रफ्तार कार की टक्कर से चाचा-भतीजे की दर्दनाक मौत, दूसरे हादसे में भाई की मौके पर गई जान, बहन ने सैफई पीजीआई में तोड़ा दम







यूथ इंडिया, इटावा

जिले के बकेवर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। दोनों दुर्घटनाओं में कुल चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक वर्षीय मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची को उपचार के लिए सैफई स्थित पीजीआई में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पहली दुर्घटना में तेज रफ्तार कार की टक्कर से चाचा और भतीजे की मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों को अपनी जान गंवानी पड़ी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

वहीं, दूसरे सड़क हादसे में सगे भाई-बहन दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे में भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल बहन ने सैफई पीजीआई में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसी दुर्घटना में एक वर्षीय मासूम बच्ची भी गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे चिकित्सकों की निगरानी में सैफई पीजीआई में भर्ती कराया गया है।

लगातार दो हादसों में चार लोगों की मौत की खबर से इलाके में शोक का माहौल है। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस फरार वाहनों की तलाश में जुट गई है। पुलिस दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाने के साथ ही जिम्मेदार वाहन चालकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

इन हादसों ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को सामने ला दिया है। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है।

मकान में लगी भीषण आग, मां और दो मासूम बेटियों की दर्दनाक मौत

- देर रात करीब 12 बजे हुआ हादसा
- आग की चपेट में आकर 32 वर्षीय साजिदा और 13 व 11 वर्षीय बेटियों ने गंवाई जान
- गांव में पसरा मातम

यूथ इंडिया, शामली

जिले के बाबरी थाना क्षेत्र के गांव कैड़ी में देर रात एक मकान में लगी भीषण आग ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। आग की चपेट में आने से मां और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, घटना देर रात करीब 12 बजे की है। गांव कैड़ी में एक मकान के हिस्से में 32 वर्षीय साजिदा अपनी दो बेटियों अदन (13 वर्ष) और माहिरा (11 वर्ष) के साथ सो रही थीं। इसी दौरान अचानक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तीनों मां-बेटियां इसकी चपेट में आ गईं।

आग लगने की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बाबरी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को भी सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद तीनों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक ही परिवार की तीन सदस्यों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मां और दोनों बेटियों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिकंदराबाद चौराहे के पास अचानक गिरा पेड़, दो लोग घायल, मौके पर पहुंची पुलिस

लखनऊ। सिकंदराबाद चौराहे के पास मंगलवार को सड़क किनारे लगा एक पेड़ अचानक भरभराकर गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेड़ सड़क किनारे स्थित एक परिसर में लगा हुआ था।

अचानक पेड़ गिरने से सड़क पर गुजर रहे दो लोग उसकी चपेट में आ गए। हादसे में दोनों घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद कर घायलों को संभाला। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और सड़क से पेड़ हटाने का काम शुरू कराया। पेड़ गिरने के कारण मौके पर आवागमन प्रभावित हुआ। नगर निगम की टीम पेड़ को हटाने में जुटी है, ताकि सड़क पर यातायात सामान्य किया जा सके।

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, डीसीएम में घुसी कार में लगी आग



- डीसीएम चालक के अचानक वाहन मोड़ने से हुआ हादसा
- टक्कर के बाद कार बनी आग का गोला
- मौके पर मची अफरा-तफरी

यूथ इंडिया, लखनऊ

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसे से हड़कंप मच गया। हाईवे पर तेज रफ्तार से गुजर रही एक कार अचानक डीसीएम से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में आग लग गई और देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रास जानकारी के अनुसार, हाईवे पर एक डीसीएम जा रही थी। इसी दौरान डीसीएम चालक ने अचानक वाहन को साइड में मोड़ दिया। तभी बगल से गुजर रही कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सीधे डीसीएम में जा घुसी। दोनों वाहनों के बीच हुई जोरदार भिड़ंत के बाद कार में आग लग गई।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। कार में आग लगने के कारण स्थिति गंभीर हो गई। हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों में भी अफरा-तफरी देखने को मिली।

फिलहाल हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना में हुए जान-माल के नुकसान और आग पर काबू पाने के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

सिपाही भर्ती की पारदर्शिता पर सवाल, अभ्यर्थियों को पास कराने के नाम पर पैसों की डील का आरोप

- 47वीं वाहिनी पीएसी से जुड़ा मामला, सिपाही समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज
- मेडिकल और चरित्र सत्यापन के लिए आने वाले अभ्यर्थियों की जानकारी साझा करने का आरोप

यूथ इंडिया, गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश में सिपाही भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर गाजियाबाद में गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिस भर्ती के मेडिकल परीक्षण और चरित्र सत्यापन के नाम पर अभ्यर्थियों को पास कराने के बदले पैसों की डील करने की कोशिश की गई। मामले में 47वीं वाहिनी पीएसी में तैनात एक सिपाही समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, 47वीं वाहिनी पीएसी में तैनात सिपाही रहीस खान पर आरोप है कि उसने मेडिकल परीक्षण और चरित्र सत्यापन के लिए आने वाले अभ्यर्थियों के कॉल लेटर तथा उनकी व्यक्तिगत जानकारी अपने परिचित चेतन को उपलब्ध कराई। इसके बाद कथित तौर पर चेतन ने अभ्यर्थियों को फोन कर संपर्क किया और भर्ती प्रक्रिया में पास कराने के एवज में रुपये की मांग करते हुए पैसों की डील करने का प्रयास किया।

इस पूरे प्रकरण में पीएसी के प्रधान लिपिक सुंदर सिंह की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई गई है। मामले की जांच के बाद सिपाही रहीस खान, चेतन और प्रधान लिपिक सुंदर सिंह के खिलाफ कविनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

उपलब्ध एफआईआर के अनुसार, मुकदमा संख्या 0816/2026 दिनांक 18 नवंबर 2026 को दर्ज किया गया। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 221 और 61(2) के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 13 के तहत कार्रवाई की गई है।

मामले की विवेचना एसीपी कविनगर आईपीएस अभय राजेंद्र डागा को सौंपी गई है। अब पुलिस जांच में यह पता लगाया जाएगा कि अभ्यर्थियों की व्यक्तिगत जानकारी किस स्तर पर साझा की गई, कथित पैसों की डील में किन लोगों की भूमिका रही और भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किस हद तक किया गया।

इस प्रकरण ने पुलिस भर्ती जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, आरोपों की वास्तविकता विवेचना पूरी होने और साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट होगी।

आगरा में निजी अस्पताल पर जिंदा महिला को मृत घोषित करने का आरोप, परिजनों का हंगामा

- ऑपरेशन के नाम पर 70 हजार रुपये लेने का दावा, 72 घंटे की बात कहने के बावजूद 48 घंटे में मृत घोषित करने का आरोप, एंबुलेंस में ऑक्सीजन हटाते ही शरीर में दिखी हलचल

यूथ इंडिया, आगरा

आगरा के एक निजी अस्पताल से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। समर्पण ब्लड बैंक एंड हॉस्पिटल पर परिजनों ने एक महिला को जिंदा रहते हुए मृत घोषित करने का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि अस्पताल से महिला को मृत बताकर घर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में एंबुलेंस से ऑक्सीजन हटाए जाने के बाद महिला के शरीर में हलचल दिखाई देने लगी। यह देखकर परिजन घबरा गए और अस्पताल में हंगामा करते हुए दोबारा ऑक्सीजन लगाने की मांग की।

परिजनों के मुताबिक, महिला के ऑपरेशन और इलाज के नाम पर अस्पताल में करीब 70 हजार रुपये जमा कराए गए थे। परिवार का दावा है कि इलाज के लिए उन्होंने कर्ज लिया और अपने जेवर तक बेच दिए। परिजनों ने अस्पताल पर भुगतान की रसीद नहीं देने का आरोप भी लगाया है।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल की ओर से महिला के उपचार के लिए 72 घंटे की अवधि बताई गई थी, लेकिन महज 48 घंटे बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद महिला को एंबुलेंस से घर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान ऑक्सीजन हटाए जाने पर शरीर में हलचल दिखाई देने की बात सामने आई।

परिजनों ने तत्काल अस्पताल में हंगामा करते हुए महिला को दोबारा ऑक्सीजन देने की मांग की। आरोप है कि करीब आधे घंटे बाद महिला को फिर से ऑक्सीजन लगाई गई।

घटना के बाद अस्पताल की कार्यप्रणाली, उपचार और मरीज की स्थिति के आकलन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, महिला की वास्तविक चिकित्सकीय स्थिति और अस्पताल की ओर से की गई कार्रवाई की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

गैंगस्टर की 18.45 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क, पुलिस-राजस्व विभाग ने की कार्रवाई

- गैंगस्टर एक्ट के आरोपी ललित उर्फ लल्ले के आवासीय विला पर प्रशासन का शिकंजा, डीएम न्यायालय के आदेश पर हुई कुर्की

यूथ इंडिया, मथुरा



अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मथुरा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सदर बाजार थाना पुलिस ने आरोपी ललित उर्फ लल्ले की 18 लाख 45 हजार 810 रुपये कीमत की आवासीय संपत्ति कुर्क कर ली। जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश पर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई 18 नवंबर को की।

पुलिस के अनुसार, कुर्क की गई संपत्ति ललित उर्फ लल्ले पुत्र संतोष, निवासी गोविंद नगर की है। यह संपत्ति आटस बांगर स्थित वृंदा ऑर्चिड में बने आवासीय विला के प्लॉट संख्या सी-40 का 50.166 वर्गमीटर हिस्सा है। प्रशासन ने इसकी कीमत 18,45,810 रुपये निर्धारित की है।

बताया गया कि आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। उसके विरुद्ध गोविंद नगर और कोतवाली थानों में विभिन्न आपराधिक धाराओं में कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। इसी आपराधिक पृष्ठभूमि के चलते प्रशासन ने गैंगस्टर एक्ट के तहत संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की।

कुर्की की कार्रवाई के दौरान पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। इस दौरान सीओ सिटी आशना चौधरी, नायब तहसीलदार संजीव चौहान और सदर बाजार थाना प्रभारी त्रिपुरेश कौशिक सहित पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य अपराधियों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ उनकी संपत्तियों के माध्यम से कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना है।

21-22 नवंबर को बारिश के आसार, तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट से बढ़ेगी ठंड

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अकवान का असर अब लखनऊ के मौसम पर भी देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के प्रभाव से 21 और 22 नवंबर को राजधानी के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम में बदलाव के चलते लोगों को ठंड का एहसास बढ़ सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले दो दिनों में बादलों की आवाजाही के साथ बारिश हो सकती है। इसका असर तापमान पर भी पड़ेगा।

बीआर्क की 22 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूथ इंडिया, लखनऊ

चिनहट स्थित अशरफ विहार कॉलोनी में बीआर्क की 22 वर्षीय छात्रा शिवानी मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह शक्ति अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 205 में दो सहेलियों के साथ किराए पर रहती थी। 18 नवंबर की शाम उसकी सहेली रिया मिश्रा नौकरी से वापस लौटी तो फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद मिला। गार्ड की मदद से अंदर पहुंचने पर शिवानी कमरे में बेहोश मिली। उसे तत्काल लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शिवानी मूल रूप से प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम लेदहा की रहने वाली थी। वह बीबीडी में पढ़ाई के साथ नौकरी भी करती थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर कमरे की जांच कराई। पुलिस को कमरे में पंखे से लटकता दुपट्टा मिला, जिसे कब्जे में ले लिया गया।

जांच के दौरान कमरे में रखी डायरी से एक पुराना सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस नोट की जांच कर रही है। इसके अलावा अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और गार्ड समेत अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में पुलिस को कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है।

कल्याणपुर में दामाद का हाईवोल्टेज ड्रामा, पत्नी और ससुर को 12 घंटे तक बनाया बंधक

- पारिवारिक विवाद के बाद कमरे में किया बंद, सूचना पर पहुंची पुलिस ने 4 घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित कराया मुक्त



यूथ इंडिया, कानपुर

कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक युवक ने अपनी पत्नी और ससुर को कमरे में बंद कर करीब 12 घंटे तक बंधक बनाए रखा। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, युवक और उसकी पत्नी के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी बीच ससुर अपनी बेटी को लेने के लिए उसके घर पहुंचे थे। आरोप है कि युवक ने पत्नी के साथ अपने ससुर को भी कमरे में बंद कर दिया और दोनों को बाहर नहीं निकलने दिया।

बताया जाता है कि कमरे में बंधक बनाए गए ससुर ने किसी तरह अपनी दूसरी बेटी को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वह पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने युवक से बातचीत कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

करीब 4 घंटे तक चली मशक्कत के बाद पुलिस ने कमरे में बंद पत्नी और ससुर को सकुशल बाहर निकलवाया। घटना के दौरान इलाके में काफी हलचल रही। फिलहाल पारिवारिक विवाद के कारणों और पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस की कार्रवाई की जानकारी सामने आना बाकी है।

घटना ने एक बार फिर पारिवारिक विवादों के गंभीर रूप लेने और समय रहते संवाद एवं समाधान की जरूरत को सामने ला दिया है।

ओला स्कूटी की सर्विस से परेशान युवक ने सर्विस सेंटर के सामने लगाई आग

- बार-बार खराब हो रही थी स्कूटी, शिकायतों का समाधान नहीं होने से नाराज युवक ने उठाया कदम, दमकल ने आग पर पाया काबू, कोई जनहानि नहीं



यूथ इंडिया, मथुरा

सौंख रोड स्थित राधिका विहार के सामने ओला इलेक्ट्रिक के सर्विस सेंटर पर उस समय हड़कंप मच गया, जब स्कूटी की सर्विस से परेशान एक युवक ने कथित तौर पर अपनी स्कूटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। देखते ही देखते स्कूटी आग की लपटों में घिर गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार, युवक अपनी ओला स्कूटी में बार-बार आ रही खराबी और सर्विस सेंटर पर शिकायतों का समाधान नहीं होने से नाराज था। बताया जा रहा है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का निस्तारण नहीं होने से उसका गुस्सा बढ़ गया। इसी नाराजगी में उसने सर्विस सेंटर के सामने स्कूटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

स्कूटी में आग लगते ही मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले की जानकारी जुटाई।

गनीमत रही कि आग की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि स्कूटी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना ने इलेक्ट्रिक वाहन की सर्विस और ग्राहकों की शिकायतों के निस्तारण को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक की शिकायतों और आग लगाने की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पति की हत्या के लिए पत्नी ने दी 6 लाख की सुपारी, प्रेमी समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने पति की हत्या कराने के लिए 6 लाख रुपये की सुपारी दी थी। योजना के तहत शूटरों ने पति पर गोली भी चलाई, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, पति की हत्या की साजिश में पत्नी और उसका प्रेमी शामिल थे। हत्या की वारदात को अंजाम देने के लिए शूटरों को सुपारी दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड के फुकेत में कमर्शियल इमारत में लगी भीषण आग, 11 लोगों की मौत, 16 घायल

फुकेत, एजेंसी। सोमवार तड़के थाईलैंड के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेत में एक कमर्शियल शॉपहाउस (व्यावसायिक इमारत) में भीषण आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। आग एक ऐसी इमारत में लगी जहां वाहनों को किराए पर देने का काम होता था, और बाद में यह आस-पास की कई अन्य इमारतों में फैल गई। यह इमारत फुकेत के पश्चिमी तट पर स्थित पातोंग बीच के पास एक शहरी इलाके में है। थाई अधिकारियों के अनुसार, आग तड़के लगभग 3:17 बजे लगी और दमकलकर्मियों को इसे काबू में करने में करीब दो घंटे का समय लगा। पुलिस ने बताया कि घायलों में 15 लोग थाई नागरिक थे और एक म्यांमार का नागरिक था। मरने वालों या घायलों में कोई भी पर्यटक शामिल नहीं था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

एनवीडिया के सीईओ के तौर पर जेनसन हुआंग की वापसी की तैयारी, सहयोगियों ने बनाया वॉर रूम; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। जेनसन हुआंग एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी के तौर पर वापसी करने पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ इस संभावना पर चर्चा भी की है। फाइनेंशियल टाइम्स ने इस मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से बताया है कि सिलिकॉन वैली के अधिकारियों के लिए एक वॉर रूम तैयार किया जा रहा है, जो एनवीडिया के पूर्व प्रमुख की वापसी के लिए पैरवी करेगी। साथ ही वे व्हाइट हाउस से भी समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक जानकार व्यक्ति ने कहा, फ्रंटियर लैब्स के बाहर टेक जगत के सभी अहम लोग जेनसन को पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रयासों को हुआंग का समर्थन हासिल है। यह रिपोर्ट उस खबर के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि जेनसेन हुआंग के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान एनवीडिया के बोर्ड ने ब्रिटिश चिपमेकर आर्म होल्डिंग्स के सीईओ रेने हास से संपर्क किया था। हालांकि एनवीडिया की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। गुरुवार को हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इन संबंधों में एक ऐसा मामला भी शामिल है जिसमें एक संदिग्ध चीनी जासूस का नाम आ रहा है, जिससे कंपनी की एडवांस्ड एआई चिप्स के चीन को निर्यात पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस स्कैम ने चिप बनाने वाली कंपनी को संकट में डाल दिया है और एआई इंडस्ट्री में खलबली मचा दी है। एक ऐसी इंडस्ट्री जिसे खड़ा करने में उन्होंने खुद आर्थिक मदद दी थी।

भारत को लोकतंत्र पर लेक्चर देना गलत, वोट चोरी वाले तंज पर मेलोनी की सहयोगी का इटली के नेता को जवाब

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्सके महासचिव जियाकोमो फिलिबेक की आलोचना की है। फिलिबेक ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था, वोट चोरों, गद्दी छोड़। के नारे लगाए थे। बर्गामिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, बर्गामिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं। उन्होंने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गामिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गामिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा पर हमला बोला और कहा: वोट चोरों, गद्दी छोड़। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

अब फैलने से पहले ही पकड़ा जाएगा कैंसर, नए ब्लड टेस्ट से जागी जिंदगी की नई उम्मीद

लंदन, एजेंसी। अंडाशय के कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अक्सर इसका पता तब चलता है, जब बीमारी आसपास के ऊतकों तक फैल चुकी होती है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने खून में एक ऐसे अणु की पहचान की है, जो कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियों का संकेत दे सकता है। नए अध्ययन में इस जांच से शुरुआती अवस्था के कुछ मामलों की पहचान करने में सफलता मिली है। हालांकि, इसे अभी नियमित जांच का विकल्प मानना जल्दबाजी होगी। अंडाशय के कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए अब खून की एक नई जांच उम्मीद की किरण बन सकती है।

नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने रक्त में टीयू-स्ट्रोमा नाम के एक अणु की मौजूदगी का पता लगाया है। अध्ययन के मुताबिक, इस अणु का स्तर उन लोगों में अधिक पाया गया, जिनमें अंडाशय के कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां मौजूद थीं। इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं फैला था। यह अध्ययन एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं जस्टिन स्टेबिंग और एंजलिया रस्किन विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है। इसके निष्कर्ष द कन्वरसेशन में प्रकाशित लेख के माध्यम से सामने आए हैं।



कैंसर की शुरुआत फैलोपियन ट्यूब से भी : अंडाशय के कैंसर का सबसे आम और तेजी से फैलने वाला प्रकार हाई-ग्रेड सीरस ओवेरियन कैंसर है। इसकी शुरुआत कई मामलों में अंडाशय के बजाय फैलोपियन ट्यूब में होती है। ये नलिकाएं अंडाशय से अंडों को गर्भाशय तक पहुंचाती हैं। इस कैंसर की शुरुआती कोशिकीय गड़बड़ियां इतनी सूक्ष्म होती हैं कि कई बार सर्जरी के बाद फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों की सूक्ष्मदर्शी से जांच करने पर ही उनका पता चलता है। इस शुरुआती स्थिति को सीरस ट्यूबल इंट्राएपिथीलियल कार्सिनोमा यानी स्टिक कहा जाता है। इसमें असामान्य कोशिकाएं फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत तक सीमित रहती हैं और आसपास के ऊतकों में नहीं फैली होतीं। नए अध्ययन में संकेत मिला है कि रक्त में टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापकर इस तरह के शुरुआती बदलावों की पहचान करना संभव हो सकता है। शोधकर्ताओं ने 506 लोगों के पहले से सुरक्षित रखे गए रक्त नमूनों का विश्लेषण किया। इनमें 43 लोग ऐसे थे, जिनमें स्टिक की स्थिति मौजूद थी। यानी उनकी फैलोपियन ट्यूब की अंदरूनी परत में असामान्य कोशिकाएं थीं, लेकिन कैंसर आसपास के ऊतकों तक नहीं पहुंचा था। टीयू-स्ट्रोमा एक प्रकार का ऋह है जो कोशिकाओं के कामकाज को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है। पहले के शोध में पता चला था कि अंडाशय के कैंसर की कोशिकाएं इस अणु को छोटी थैलियों जैसी संरचनाओं में छोड़ सकती हैं। इन्हें एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स कहा जाता है। ये कोशिकाओं के बीच संदेश पहुंचाने वाले सूक्ष्म पैकेट की तरह काम करती हैं। शोधकर्ताओं ने खून में मौजूद इन पैकेटों के भीतर टीयू-स्ट्रोमा की मात्रा मापी। अलग समूह के नमूनों पर जांच की सटीकता परखने के दौरान इस जांच से स्टिक से पीड़ित करीब 92 प्रतिशत लोगों की पहचान हो गई। वहीं, तुलना के लिए शामिल स्वस्थ लोगों में करीब 98 प्रतिशत की जांच में स्टिक के संकेत नहीं मिले। फिलहाल अंडाशय के कैंसर की आशंका होने पर डॉक्टर सीए125 नाम के प्रोटीन की मात्रा जानने के लिए रक्त जांच करा सकते हैं। कैंसर होने पर इसका स्तर बढ़ सकता है, लेकिन यह जांच पूरी तरह सटीक नहीं है। डोमेट्रियोसिस जैसी गैर-कैंसरकारी स्थिति में भी सीए125 का स्तर बढ़ सकता है वहीं, कुछ लोगों में अंडाशय का कैंसर शुरुआती अवस्था में होने के बावजूद अंडाशय के कैंसर के लक्षणों में पेट फूलना, लगातार पेट दर्द, थोड़ा खाना खाने के बाद ही पेट भरने का एहसास और बार-बार पेशाब आने की समस्या शामिल हो सकती है। ये लक्षण दूसरी बीमारियों में भी दिखाई देते हैं। लेकिन यदि ये लगातार बने रहें या बार-बार उभरें तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शोध के नतीजे उत्साहजनक हैं, लेकिन इसकी कुछ अहम सीमाएं भी हैं। अध्ययन में ऐसे लोगों के रक्त नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिनकी बीमारी की स्थिति पहले से मालूम थी। इसके अलावा स्टिक से पीड़ित लोगों की संख्या भी कम थी। इसलिए अभी यह साबित नहीं हुआ है कि बिना किसी लक्षण वाले लोगों की बड़ी आबादी में इस जांच से कैंसर की समय रहते पहचान हो सकेगी।

बीएलए को मिला नया कमांडर-इन-चीफ, पाकिस्तानी सेना का पूर्व कैप्टन रहमान गुल संभालेगा संगठन की कमान



कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने अपने नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। संगठन ने रहमान गुल उर्फ मुरीद को नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। खास बात यह है कि रहमान गुल पहले पाकिस्तानी सेना में कैप्टन के पद पर तैनात रह चुका है। सेना छोड़ने के बाद वह बीएलए में शामिल हो गया था और संगठन की महत्वपूर्ण सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी भी संभाल चुका है। बीएलए के मुताबिक, नए प्रमुख की नियुक्ति वरिष्ठ कमांड काउंसिल के सदस्यों और सभी कमांडरों की सहमति से की गई है। रहमान गुल का जन्म 14 अगस्त 1984 को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के नौशकी में हुआ था। उसने पेशावर विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। साल 2002 में वह पाकिस्तानी सेना में भर्ती हुआ और 19वीं फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में तैनात रहा। उसने करीब आठ साल तक कैप्टन के पद पर सेवाएं दीं। हालांकि, साल 2010 में उसने पाकिस्तानी सेना छोड़ दी और बलूच लिबरेशन आर्मी से जुड़ गया। इसके बाद वह संगठन में तेजी से आगे बढ़ा और एक प्रमुख सैन्य कमांडर के रूप में उसकी पहचान बनी। बीएलए में शामिल होने के बाद रहमान गुल को संगठन की अहम सैन्य इकाई मजीद ब्रिगेड की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह संगठन की आत्मघाती हमलों से जुड़ी इकाई मानी जाती है।

इस ब्रिगेड का नाम पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए कई हमलों के संदर्भ में सामने आता रहा है। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर हुए हमले की जिम्मेदारी भी बीएलए ने ली थी। इस घटना के बाद संगठन की गतिविधियों और उसकी सैन्य रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई थी। बशीर जेब की जगह मिली जिम्मेदारी बीएलए ने 3 नवंबर को बशीर जेब बलूच को कमांडर-इन-चीफ के पद से हटाने का ऐलान किया था।

इजराइल का गाजा में फिर बड़ा हमला, हमास की राफा ब्रिगेड का कमांडर किया ढेर

गाजा, एजेंसी। इजराइली सुरक्षाबलों ने दक्षिणी गाजा में शनिवार देर रात किए गए हवाई हमलों में हमास के शीर्ष कमांडर समीर महमूद हसन अबू यूनुस को मार गिराया। इजराइल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हमास ने भी एक बयान जारी कर अपनी राफा ब्रिगेड के कमांडर अबू यूनुस की मौत की पुष्टि की है। संगठन के अनुसार, उसका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। इजराइली सेना ने बताया कि शनिवार आधी रात के तुरंत बाद किए गए हमले में अबू यूनुस मारा गया। सेना के मुताबिक, वह हमास की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का निर्देशन कर रहा था।

गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले अबू यूनुस से पहले राफा ब्रिगेड के कमांडर रहे व्यक्ति को भी इजराइली हमले में मार दिया गया था। रविवार को इजराइली सेना ने हमास के अन्य लड़ाकों को भी निशाना बनाने की जानकारी दी, हालांकि उनके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इस बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी हेलीकॉप्टर अड्डे पर स्थापित एक रडार प्रणाली को निशाना बनाया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। हालांकि, अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने इस दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया था कि उसने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के उस दावे को भी खारिज किया था, जिसमें उसने बहरीन में अमेरिका की पूर्व चेतावनी रडार प्रणाली पर हमला करने की बात कही थी। उधर, यमन की राजधानी सना में हुए हवाई हमले में दो महिलाओं और दो बच्चों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह दावा किया है। उन्होंने हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

प्राइवेट कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, 2 और 3 दिसंबर को मिलेगी छुट्टी; क्यों लिया गया फैसला?

अबू धाबी/दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में काम करने वाले प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। देश की सरकार ने 55वें यूनियन डे यानी ईद अल एतिहाद 2026 के पावन अवसर पर प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए दो दिनों की पेड छुट्टी का ऐलान किया है। इस घोषणा के तहत बुधवार, 2 दिसंबर और गुरुवार, 3 दिसंबर 2026 को निजी कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों को बिना वेतन कटे सार्वजनिक अवकाश का लाभ मिलेगा। यूएई के मानव संसाधन और अमीरातीकरण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस फैसले की पुष्टि की है। मंत्रालय के अनुसार, यह दो दिवसीय पेड छुट्टी देश के सभी सात अमीरातों में



संचालित होने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों पर पूरी तरह लागू होगी।

दूसरी ओर, फेडरल अथॉरिटी फॉर गवर्नमेंट ह्यूमन रिसोर्सेज ने सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 दिसंबर से 4 दिसंबर 2026 तक तीन दिनों का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों को 4 दिसंबर के बाद वीकेंड की छुट्टी का भी लाभ मिलेगा और सरकारी कार्यालयों में कामकाज 7 दिसंबर (सोमवार) से पुनः प्रारंभ होगा। क्यों मनाया जाता है ईद अल एतिहाद? अरबी भाषा में ईद अल एतिहाद का अर्थ यूनियन डे होता है, जिसे हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। 2 दिसंबर 1971 को संयुक्त अरब अमीरात का ऐतिहासिक गठन हुआ था, जिसमें शुरुआत में छह अमीरात एकजुट हुए थे और बाद में फरवरी 1972 में रास अल खैमाह इस संघ का हिस्सा बना था। देश के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान ने यूएई के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस वर्ष यूएई अपनी स्थापना की 55वीं वर्षगांठ मना रहा है। आतिशबाजी, एयर शो और विशेष ऑफर्स से सजेगा यूएई ईद अल एतिहाद के पावन अवसर पर दुबई और अबू धाबी सहित देश के विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के दौरान शानदार आतिशबाजी, लाइट शो, सैन्य परेड, एयर शो और पारंपरिक अमीराती सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके साथ ही सरकारी इमारतों, शॉपिंग मॉल, सड़कों और आवासीय परिसरों को यूएई के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों—लाल, हरे, सफेद और काले से भव्य रूप से सजाया जाएगा। ऐतिहासिक संग्रहालयों व हेरिटेज विलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे और शॉपिंग मॉल, होटल व मनोरंजन स्थलों पर विशेष ऑफर्स दिए जाएंगे।

एनवीडिया ही नहीं, ड्रैगन के निशाने पर पूरी दुनिया

वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े ताजा मामले ने चीनी जासूसी के दायरे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की है। इस घटना ने दुनिया भर की सरकारों द्वारा बताए जा रहे उस चीनी अभियान की ओर ध्यान खींचा है, जिसका मकसद व्यावसायिक-तकनीकी जानकारियों को जुटाना और सैन्य योजनाओं की खुफिया जानकारी चुराना है।

वहीं बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बदनामी की साजिश करार दिया है. चीन ने कहा है कि अमेरिका तकनीक निर्यात प्रतिबंधों को जायज ठहराने के लिए चीनी जासूसी की कहानियां गढ़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधि वैश्विक स्तर पर चल रही है। जर्मनी का आरोप है कि एक कपल ने यहां अनुवादक और ऑटो-उद्योग के



कर्मचारी बनकर, ढ्ढ, कंप्यूटर विज्ञान और एयरोस्पेस के जानकारों से संपर्क बढ़ाया। उन्होंने इनमें से कुछ लोगों को चीन ले जाकर वहां की सरकारी हथियार कंपनियों के लिए नागरिक (सिविलियन) विषयों पर व्याख्यान दिलवाए। दुनियाभर में एक्टिव है चीन का खुफिया नेटवर्क ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड की खुफिया एजेंसी का कहना है कि सरकार से करीबी संबंध रखने वाली एक चीनी (ऑब्जर्वेटरी) ने एक स्थानीय कंपनी के जरिए अंतरिक्ष-ट्रैकिंग उपकरण लगाने की कोशिश की, जिसका मकसद सैन्य खुफिया जानकारी जुटाना था। ताइवान का कहना है कि चीनी एजेंट सोशल मीडिया पर कर्ज में डूबे सैनिकों को निशाना बनाते हैं। वे उन्हें लोन का लालच देकर फंसाते हैं और फिर उनसे गोपनीय जानकारियां निकलवाते हैं या उनके साथियों से परिचय मांगते हैं। एफबीआई ने चीनी जासूसी को अमेरिका की आर्थिक भलाई के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमएलजेड 5 ने 2022 में कहा था कि वह चीन से जुड़ी सात गुना अधिक जांच कर रही है, जितनी चार साल पहले कर रही थी। कनाडा की खुफिया एजेंसी चीन को अपना सबसे बड़ा काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा मानती है, जबकि डच खुफिया एजेंसी का कहना है कि चीनी डिजिटल जासूसी, जो तकनीकी कंपनियों को निशाना बनाती है। ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने चीन की व्यवस्था को दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी खुफिया तंत्र बताया है, जिसमें सेना, पुलिस और पार्टी के अंग भी शामिल हैं। फिलीपींस में, संदिग्ध जासूसों ने युद्धपोतों और नौसैनिक अड्डे के पास ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, उन्होंने ऐसे वाहनों का भी उपयोग किया जिनमें नकली सेलफोन टावर, कैमरे और मैपिंग तकनीक लगी थी, ताकि संवेदनशील जगहों की निगरानी की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंटों ने रक्षा प्रतिष्ठान के लोगों को अपने साथ मिलाया और नौसैनिक कर्मियों के नाम हासिल किए।

पीठ से जुड़े पैदा हुए जुड़वां भाईयों की हुई दुर्लभ सर्जरी, 22 डॉक्टरों की टीम ने 40 दिन के बच्चों को किया अलग



बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया में डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पीठ के निचले हिस्से से जुड़े दो जुड़वां बच्चों को अलग कर दिया। ऑपरेशन के समय दोनों बच्चे महज 40 दिन के थे। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम शामिल थी।

फिलहाल दोनों बच्चों को अस्पताल में विशेष निगरानी और देखभाल में रखा गया है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बच्चे पाइगोपैगस नामक दुर्लभ चिकित्सकीय स्थिति के साथ पैदा हुए थे। इसमें जुड़वां बच्चे शरीर के पिछले हिस्से से जुड़े होते हैं। इस मामले में उनकी निचली रीढ़, त्रिकास्थि और श्रोणि आपस में जुड़ी हुई थीं। अस्पताल के मुताबिक, शुरुआत में योजना बनाई गई थी कि बच्चों के चार से छह महीने का होने के बाद उन्हें अलग करने का ऑपरेशन किया जाएगा। हालांकि, एक बच्चे को नवजात देखभाल इकाई में सांस लेने के लिए अधिक सहायता की जरूरत पड़ने लगी। बच्चों के साझा अंग तंत्र पर बढ़ते शारीरिक दबाव को देखते हुए डॉक्टरों ने ऑपरेशन निर्धारित समय से पहले करने का फैसला किया। सितंबर में दोनों बच्चों को अलग करने की जटिल सर्जरी की गई। इस ऑपरेशन में डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के साझा अंगों को अलग करते हुए उनके शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को सुरक्षित रखना था। बच्चों के सर्जनों ने सबसे पहले दोनों के साझा आंतों और मूत्र तंत्र को अलग किया। इसके बाद अलग-अलग गुदा द्वार बनाए गए और मूत्र मार्ग का पुनर्निर्माण किया गया। डॉक्टरों ने श्रोणि तल की संरचना को भी दोबारा तैयार किया। वहीं, तंत्रिका शल्य चिकित्सकों ने रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से के आसपास नसों की पहचान करने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य रीढ़ की नसों के कार्य को सुरक्षित रखना और बच्चों के पैरों की गति बनाए रखना था। इस जटिल सर्जरी में कुआलालंपुर के तुंकू अजीजा अस्पताल और सरवाक जनरल अस्पताल के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम शामिल थी।

पत्नी को बेहोश कर दोस्तों से करवाता रेप; खुद करता ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम, पीड़िता ने टीवी पर खोली दरिंदे पति की पोल

लंदन एजेंसी। शादी के बाद जिस शख्स पर एक महिला ने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गुनहगार निकला। ब्रिटेन की एक महिला ने खुलासा किया है कि उसका पति उसे नशीली दवाएं देकर बेहोश कर देता था। इसके बाद दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करवाता था और खुद इन घटनाओं को देखता था। इतना ही नहीं, वह कथित तौर पर इन घटनाओं का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी करता था। महिला को करीब पांच साल तक अपने साथ हो रही इस हैवानियत का पता नहीं चला। एक रात अचानक नींद खुलने पर जब उसने खुद को एक अनजान व्यक्ति के यौन हमले का शिकार पाया और दरवाजे पर पति को खड़ा देखा, तब इस खौफनाक सच्चाई का खुलासा हुआ। अब महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए ब्रिटिश टेलीविजन चैनल आईटीवी न्यूज पर आपबीती सुनाई है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस सप्ताह अपनी पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया। उन्होंने आईटीवी न्यूज को बताया कि बाहर से उनका पति बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था। परिवार की तस्वीरों में दोनों की जिंदगी खुशहाल नजर आती थी, लेकिन घर के भीतर उसका व्यवहार हिंसक और नियंत्रण करने वाला



था। महिला के मुताबिक, पति उनकी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं पर पूरा नियंत्रण रखता था। एक घरेलू वीडियो में भी वह उन्हें दवा लेने के लिए कहता दिखाई देता है। महिला को संदेह है कि इन दवाओं का इस्तेमाल उन्हें बेहोश रखने के लिए किया जाता था, ताकि पति दूसरे पुरुषों के साथ मिलकर उनका यौन शोषण कर सके। उन्होंने बताया कि पति कई बार उनके पेय पदार्थ में दवाओं का पाउडर मिला देता था। बाद में उसने जीएचबी नामक नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। यह ऐसा पदार्थ है, जिसके सेवन से व्यक्ति बेहोश हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पति ने कार के पहिए साफ करने वाले एक रासायनिक पदार्थ के जरिए भी इसका इस्तेमाल किया था। महिला ने उस रात का भयावह अनुभव भी साझा किया, जब पहली बार उन्हें अपने साथ हो रही हैवानियत का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि एक रात वह रसोई में पति के साथ बैठी थीं। पति ने साथ में पेय पीने का सुझाव दिया और उनके लिए जिन एंड टॉनिक बनाया। महिला को जरा भी अंदाजा नहीं था कि पति उनके पेय में कुछ मिला सकता है। उन्हें यह भी याद नहीं कि उन्होंने पूरा पेय खत्म किया था या नहीं। कुछ घंटे बाद जब उनकी आंख खुली तो वह बिस्तर पर बिना कपड़ों के थीं और एक अनजान व्यक्ति उनका दुष्कर्म कर रहा था। उन्होंने तुरंत बगल में देखा तो पति दरवाजे पर खड़ा था। उस समय उन्हें लगा कि अब उनकी हत्या कर दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई और तेजी से बिस्तर पर पीछे की ओर खिसकने लगीं। इसके बाद वह व्यक्ति उठकर वहां से भाग गया। बाद में महिला को पता चला कि उनके साथ यह अपराध केवल एक या दो बार नहीं हुआ था। पति लंबे समय तक उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश करता रहा और दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उनका यौन शोषण करवाता रहा। वर्ष 2022 में महिला के पति को इन अपराधों के लिए 14 साल और आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उस समय उसकी उम्र 43 वर्ष थी और वह ब्रिस्टल का रहने वाला था। उसने तीन बार दुष्कर्म, तीन बार दुष्कर्म की कोशिश, एक यौन हमले और जहरीला पदार्थ देने के अपराध स्वीकार किए थे।

सम्पादकीय

होटल की चारदीवारी में बेटियों की सुरक्षा कौन सुनिश्चित करेगा?



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

आज देश में होटल कारोबार तेजी से विस्तार कर रहा है। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा ने आम लोगों के लिए होटल तक पहुंचना आसान बनाया है। ओयो जैसे प्लेटफॉर्म ने इस कारोबार को नई दिशा दी है, लेकिन इस सुविधा के साथ एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो रहा है–क्या होटल संचालक और ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म अपने यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा और पहचान सत्यापन के प्रति उतने ही जिम्मेदार हैं, जितना उन्हें होना चाहिए?

उत्तर प्रदेश के कैराना में सामने आया कथित घटनाक्रम इसी सवाल को फिर चर्चा में ले आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में महंत योगी गौतम नाथ दो युवकों को पकड़कर थाने ले जाते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि एक युवती को बुर्का पहनाकर ओयो होटल ले जाया गया था। इस मामले में वास्तविक परिस्थितियों, युवती की सहमति और संबंधित लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। लेकिन इस घटना ने होटल प्रबंधन की जवाबदेही पर गंभीर बहस जरूर शुरू कर दी है।

होटल कोई ऐसा स्थान नहीं हो सकता जहां कमरा देने के बाद संचालक अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाए। प्रत्येक होटल को निर्धारित नियमों के अनुसार ग्राहकों की पहचान सत्यापित करनी चाहिए। बुकिंग रिकॉर्ड, सीसीटीवी व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

सवाल यह है कि क्या स्थानीय प्रशासन नियमित रूप से इन होटलों की जांच करता है? क्या ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से संचालित हो रहे होटलों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन होता है? क्या किसी शिकायत के बाद होटल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच की जाती है?

यदि इन सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं हैं तो व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। बेटियों की सुरक्षा का विषय किसी धर्म, जाति या राजनीतिक विचारधारा तक सीमित नहीं होना चाहिए। किसी भी युवती को बहला-फुसलाकर, धमकाकर, धोखे से या उसकी इच्छा के विरुद्ध कहीं ले जाना गंभीर विषय है। वहीं, दो वयस्कों के आपसी सहमति से मिलने-जुलने और निजी जीवन जीने के अधिकार का भी सम्मान होना चाहिए। किसी के कपड़ों, धर्म या सामाजिक पहचान के आधार पर अपराध का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। अपराध की पहचान साक्ष्यों से होती है, किसी की धार्मिक पहचान से नहीं। कैराना की घटना में भी सबसे पहले युवती का स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण में बयान दर्ज होना चाहिए। उसकी सहमति, सुरक्षा और वास्तविक परिस्थितियों को समझना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

समाज में किसी व्यक्ति को गलत गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना देने और पीड़ित की सहायता करने का अधिकार है। लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। महंत, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि या आम नागरिक, सभी को कानून की मर्यादा में रहकर काम करना चाहिए। यदि किसी ने गलत किया है तो पुलिस जांच करे, साक्ष्य जुटाए और दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। भीड़ का फैसला न्याय व्यवस्था का विकल्प नहीं हो सकता। ऑनलाइन होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म को भी अपने साझेदार होटलों के संचालन, पहचान सत्यापन और सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। केवल होटल को अपने नेटवर्क से जोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि संबंधित होटल निर्धारित नियमों का पालन कर रहा है।

जिला प्रशासन को चाहिए कि वह होटल संचालकों के दस्तावेजों, सीसीटीवी व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, अतिथि पहचान सत्यापन और अन्य जरूरी मानकों की नियमित जांच करे। नियमों का उल्लंघन मिलने पर निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कैराना की घटना केवल एक स्थानीय विवाद के रूप में नहीं देखी जानी चाहिए। यह होटल उद्योग की जवाबदेही, महिलाओं की सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और कानून व्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

हमारा सवाल है कि आखिर होटल के भीतर होने वाली गतिविधियों की जिम्मेदारी कौन तय करेगा? ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म अपनी जिम्मेदारी से कब तक बचते रहेंगे? प्रशासन की निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है?

सरकार और प्रशासन को चाहिए कि होटल कारोबार के लिए निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन कराएं। ओयो सहित सभी ऑनलाइन होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म अपने साझेदार होटलों की जवाबदेही सुनिश्चित करें। किसी भी युवती की निजता और सुरक्षा से समझौता न हो तथा किसी निर्दोष को केवल आरोपों के आधार पर अपराधी न बनाया जाए।

बेटियों की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन उनकी स्वतंत्रता और सम्मान भी उतने ही जरूरी हैं। न्याय का रास्ता न तो चुप्पी से निकलेगा और न ही भीड़ के फैसलों से, बल्कि निष्पक्ष जांच, मजबूत कानून और जवाबदेह व्यवस्था से निकलेगा। होटल में कमरा देने का अधिकार व्यवसाय है, लेकिन सुरक्षा और कानून का पालन करना जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी से कोई भी होटल संचालक या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बच नहीं सकता।

प्रधान संपादक

स्वच्छता, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन का आधार

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम



स्वच्छता केवल स्वस्थ जीवन की आवश्यकता नहीं, बल्कि सभ्य समाज की पहचान भी है। मनुष्य के जीवन में भोजन, पानी, आवास और स्वास्थ्य जितने आवश्यक हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण शौचालय की सुविधा भी है। इसके बावजूद आज भी दुनिया के करोड़ों लोग सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय की सुविधा से वंचित हैं। खुले में शौच करने की विवशता, गंदगी, दूषित जल और अस्वच्छ वातावरण अनेक बीमारियों को जन्म देते हैं। इन्हीं समस्याओं के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है।

विश्व शौचालय दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 2001 में विश्व शौचालय संगठन द्वारा की गई थी। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2013 में 19 नवंबर को आधिकारिक रूप से विश्व शौचालय दिवस घोषित किया। इसका प्रमुख उद्देश्य दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति तक सुरक्षित शौचालय और स्वच्छता की सुविधा पहुंचाना तथा स्वच्छता को मानव अधिकार और गरिमापूर्ण जीवन से जोड़ना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि शौचालय केवल घर में बना एक छोटा कमरा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, सामाजिक समानता, महिला सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी बुनियादी आवश्यकता है। शौचालय का अभाव और गंभीर चुनौतियां।

विश्व के अनेक देशों में आज भी बड़ी आबादी स्वच्छ शौचालय से वंचित है। ग्रामीण क्षेत्रों, पिछड़ी बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में यह समस्या अधिक दिखाई देती है। खुले में शौच करने से मिट्टी, जलस्रोत और आसपास का वातावरण दूषित होता है। इससे हैजा, पेचिश, टाइफाइड, दस्त और पेट से संबंधित अनेक संक्रामक बीमारियां फैलती हैं। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। दूषित पानी और अस्वच्छता के कारण बच्चों में कुपोषण, संक्रमण तथा शारीरिक विकास संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

महिलाओं और बालिकाओं के लिए शौचालय का अभाव स्वास्थ्य के साथ-साथ सुरक्षा और सम्मान का भी गंभीर प्रश्न है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें अंधेरा होने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना और असुरक्षा की आशंका बनी रहती है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में शौचालय की उपलब्धता लंबे समय तक एक बड़ी चुनौती रही है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत हुई। इस अभियान का उद्देश्य देश को खुले में शौच से मुक्त बनाना, घर-घर शौचालय निर्माण को प्रोत्साहित करना और स्वच्छता के प्रति जनमानस की सोच में परिवर्तन लाना था। इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में करोड़ों शौचालयों का निर्माण कराया गया।

व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के साथ-साथ सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, गांवों की स्वच्छता और शौचालयों के नियमित उपयोग तथा रखरखाव को प्राथमिकता दी गई। हालांकि शौचालयों का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन केवल निर्माण से स्वच्छता का लक्ष्य पूरा नहीं होता। उनका नियमित उपयोग, पानी की उपलब्धता, सफाई और उचित रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है। शौचालय की सुविधा महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण से सीधे जुड़ी हुई है।

घर में शौचालय होने से महिलाओं और किशोरियों को असुविधा, असुरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से राहत मिलती है। विद्यालयों में बालिकाओं के लिए अलग और स्वच्छ शौचालय होने से उनकी शिक्षा निरंतर बनी रहती है। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता संबंधी सुविधाओं की उपलब्धता भी उनके स्वास्थ्य और आत्मविश्वास के लिए आवश्यक है। इसलिए शौचालय को केवल निर्माण कार्य के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। शौचालयों से निकलने वाले मल-मूत्र का सुरक्षित निस्तारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यदि अपशिष्ट का उचित उपचार नहीं किया जाता, तो नदियां, तालाब, भूजल और भूमि प्रदूषित हो सकते हैं। इसके लिए आधुनिक सीवेज व्यवस्था, मल कीचड़ प्रबंधन, अपशिष्ट उपचार संयंत्र और पर्यावरण के अनुकूल शौचालय प्रणालियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। आज जल संकट भी एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में कम पानी में संचालित होने वाले शौचालयों और पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को अपनाना समय की मांग है। जनभागीदारी से ही सफल होगा स्वच्छता का संकल्प। विश्व शौचालय दिवस केवल सरकारी योजनाओं की समीक्षा करने का अवसर नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश भी देता है। हमें घर, विद्यालय, कार्यालय, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की आदत विकसित करनी होगी।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

19 नवंबर, अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस विशेष

पुरुषों के दर्द को भी समझिए, हर मुस्कुराता चेहरा भीतर से खुश नहीं होता

बचपन से जिम्मेदारियों का बोझ उठाते पुरुषों की भावनाओं, संघर्षों और मानसिक स्वास्थ्य को समझने की जरूरत



समाज में जब भी दुख, दर्द, संघर्ष और भावनाओं की बात होती है, तो अक्सर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की समस्याओं पर चर्चा होती है। यह जरूरी भी है, लेकिन इसी समाज में एक ऐसा वर्ग भी है, जिसकी पीड़ा अक्सर खामोशी के पीछे छिपी रहती है। वह वर्ग है पुरुषों का।

पुरुष को बचपन से ही मजबूत बनने की सीख दी जाती है। उसे कहा जाता है कि लड़के रोते नहीं, पुरुष कमजोर नहीं पड़ते और परिवार की जिम्मेदारी उठाना उनका कर्तव्य है। धीरे-धीरे यही सीख उसके जीवन का बोझ बन जाती है। वह अपने दर्द को व्यक्त करना भूल जाता है और भावनाओं को भीतर ही भीतर दबाकर जीने लगता है।

हकीकत यह है कि पुरुष भी इंसान है। उसके पास भी दिल, भावनाएं, सपने, डर और परेशानियां हैं। वह भी टूट सकता है, थक सकता है और उसे भी किसी के सहारे की जरूरत हो सकती है।

एक लड़का जब बचपन में गिरकर चोट खाता है और रोता है, तो कई बार उसे कह दिया जाता है कि लड़के रोते नहीं हैं। जब वह डरता है तो उसे मर्द बनने की सलाह दी जाती है। जब वह अपनी परेशानी बताता है तो उसकी भावनाओं को छोटी बात कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

यहीं से उसके मन में यह धारणा बनने लगती है कि भावनाएं व्यक्त करना कमजोरी है। वह धीरे-धीरे अपने आंसुओं को छिपाना सीख जाता है। लेकिन उसकी यह खामोशी हमेशा ताकत नहीं होती, कभी-कभी यह अंदर से टूटते हुए इंसान की मजबूरी भी होती है।

एक पिता सुबह घर से निकलता है तो उसके सामने नौकरी, व्यापार, खेती, कर्ज, बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और माता-पिता की दवाइयों जैसी अनगिनत जिम्मेदारियां होती हैं। वह अपनी जरूरतों को पीछे रखकर परिवार की खुशियों को प्राथमिकता देता है।

कई बार उसकी जेब खाली होती है, लेकिन बच्चों के सामने वह अपनी परेशानी जाहिर नहीं होने देता। परिवार को उसकी कमाई दिखाई देती है, लेकिन उस कमाई के पीछे छिपा संघर्ष और मानसिक थकान दिखाई नहीं देती।

कभी-कभी वह केवल इतना चाहता है कि कोई उससे पूछ ले कि आज आपका दिन कैसा रहा? आप ठीक तो हैं? कोई परेशानी है तो बताइए, हम आपके साथ हैं। पिता परिवार का वह व्यक्ति होता है, जो अपनी इच्छाओं को अक्सर परिवार की खुशियों के पीछे रख देता है। बच्चों के भविष्य के लिए अपनी वर्तमान जिंदगी की सुविधाओं का त्याग करता है।

बच्चे बड़े होकर अपने सपनों की दुनिया में आगे बढ़ जाते हैं और पिता उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच जाता है, जहां उसे भी सहारे और अपनापन की जरूरत होती है। क्या पिता को थकने का अधिकार नहीं? क्या उसे भी अपनी परेशानियां साझा करने और किसी के कंधे पर सिर रखकर रोने का अधिकार नहीं? पिता केवल जिम्मेदारियों का नाम नहीं, बल्कि भावनाओं से भरा एक इंसान भी है।

शादी के बाद पुरुष के जीवन में अनेक जिम्मेदारियां जुड़ जाती हैं। वह पति बनता है, परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उठाता है और रिश्तों को संभालने का प्रयास करता है। लेकिन हर रिश्ता हमेशा खुशहाल नहीं होता।

कुछ पुरुष घरेलू विवाद, अपमान, मानसिक तनाव, अविश्वास और भावनात्मक दूरी से गुजरते हैं। कई बार वे अपनी परेशानियां किसी से साझा नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा। किसी भी रिश्ते में सम्मान, विश्वास और संवाद दोनों पक्षों के लिए जरूरी हैं। किसी के साथ हिंसा, अपमान या मानसिक प्रताड़ना हो तो उसकी पीड़ा को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। न्याय का अर्थ है कि हर मामले में निष्पक्षता से सच्चाई समझी जाए।

आज बेरोजगारी केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी बड़ा कारण है। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं पर परिवार और समाज की अपेक्षाओं का दबाव रहता है। नौकरी नहीं मिलने, व्यापार में नुकसान होने या कर्ज बढ़ने से उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है। बार-बार दूसरों से तुलना और कमाई को लेकर सवाल उनकी मानसिक परेशानी बढ़ा सकते हैं।

किसी व्यक्ति की कीमत उसकी नौकरी, वेतन, गाड़ी या संपत्ति से तय नहीं होनी चाहिए। युवाओं को ताने देने के बजाय अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने की जरूरत है। तनाव, अवसाद, चिंता और अकेलापन किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। पुरुष अक्सर अपनी परेशानी स्वीकार करने में संकोच करते हैं। उन्हें डर रहता है कि परिवार या समाज उन्हें कमजोर समझेगा।

हमें समझना होगा कि मानसिक परेशानी कमजोरी नहीं है। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सहायता लेना साहस का काम है। हर पुरुष को यह कहने का अवसर मिलना चाहिए कि वह ठीक नहीं है और उसके जवाब में उसे ताना नहीं, बल्कि सहारा मिले।

पुरुष दिवस केवल बड़े पदों पर बैठे लोगों के सम्मान का दिन नहीं है। यह उस मजदूर, किसान, चालक, सफाईकर्मी, चौकीदार, सैनिक, शिक्षक और छोटे व्यापारी के संघर्ष को पहचानने का भी अवसर है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने परिवार और समाज के लिए योगदान दे रहे हैं।

एक मजदूर को रोज काम मिलने की चिंता रहती है। किसान मौसम, फसल, बाजार और कर्ज से जूझता है। छोटा व्यापारी बाजार की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक चुनौतियों के बीच अपना कारोबार चलाता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

कैग की रिपोर्टों ने खोली सरकारी व्यवस्था की परतें



एड. किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर भारत में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) केवल एक सरकारी संस्था नहीं,बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं के विश्वास का प्रतीक है।किसी वस्तु पर आईएसआई का चिह्न हो अथवा सोने के आभूषण पर हॉलमार्क, सामान्य ग्राहक इसे गुणवत्ता और शुद्धता की सरकारी कसौटी मानकर खरीदारी करताहै।विशेषकर भारत जैसे देश में, जहां सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि पारिवारिक बचत,सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार है, वहां हॉलमार्क की विश्वसनीयता का महत्व और बढ़ जाता है।

लेकिन जब गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्था की अपनी निगरानी व्यवस्था पर ही सवाल उठने लगें, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं,बल्कि उपभोक्ता विश्वास और सरकारी जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इसी संदर्भ में नवंबर 2026 के मध्य में सामने आई भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक प्रारूप अनुपालन लेखापरीक्षा रिपोर्ट ने देश के सोना-चांदी और आभूषण बाजार में हलचल पैदा कर दी है। रिपोर्ट का शीर्षक सब्जेक्ट स्पेशफिक कम्पलायंस ऑडिट ऑन स्टैण्डर्डसेशन एंड अदर रिलेटेड एक्टिविटीज बाई बीआईएस बताया गया है।

उपलब्ध मीडिया रिपोर्टों के अनुसार,यह प्रारूप रिपोर्ट 17 नवंबर 2026 के आसपास सार्वजनिक चर्चा में आई, लेकिन इसे संसद में विधिवत प्रस्तुत अंतिम कैग रिपोर्ट समझना उचित नहीं होगा।मंत्रालय की प्रतिक्रिया और अंतिम रिपोर्ट की संसदीय प्रक्रिया अलग विषय हैं।इसलिए इसके निष्कर्षों को प्रारूप लेखापरीक्षा के निष्कर्षों के रूप में ही देखना चाहिए। हॉलमार्क की विश्वसनीयता पर कैग का सवाल:80 प्रतिशत से अधिक ज्वेलर्स की जांच नहीं, एएचसी केंद्रों के 43.7 प्रतिशत निरीक्षण अधूरे!

साथियों बात अगर हम ज्वेलर्स प्रतिष्ठानों की पांच वर्षों की निगरानी में बड़ी चूक 28,865 में से केवल 5,444 दुकानों की जांच को समझने की करें तो,प्रारूप कैग रिपोर्ट से संबंधित मीडिया में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में 28,865 लाइसेंसधारी ज्वेलर्स के मुकाबले केवल 5,444 दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसका अर्थ है कि लगभग 18.86 प्रतिशत दुकानों की ही जांच हो सकी,जबकि करीब 81.14 प्रतिशत दुकानों का निरीक्षण नहीं हुआ।

यह स्थिति उस समय और चिंताजनक हो जाती है,जब बीआईएस के नियमों के तहत पंजीकृत ज्वेलर्स की नियमित निगरानी अपेक्षित है।ग्राहक जिस हॉलमार्क को सरकारी गुणवत्ता नियंत्रण का प्रमाण मानता है, उसकी बाजार में वास्तविक स्थिति की जांच ही पर्याप्त स्तर पर नहीं हो रही हो,तो उपभोक्ता संरक्षण का उद्देश्य कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। पुराने काम पूरे होने से राहत मिलेगी। गुस्से पर नियंत्रण रखें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

वृषभ राशिः आज व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलने के योग हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न हो सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

मिथुन राशिः आज लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रह सकता है।

कर्क राशिः आज नए लोगों से मुलाकात लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। अपनी वाणी पर संयम रखें।

सिंह राशिः आज किसी करीबी की मदद से महत्वपूर्ण काम पूरे हो सकते हैं। अचानक खर्च बढ़ने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। परिवार में मेहमानों का आगमन हो सकता है।

कन्या राशिः आज योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिल सकती है। कानूनी मामलों में सावधानी बरतें। नौकरी और व्यापार में स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज आपके प्रयास सफल हो सकते हैं। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। कारोबार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज कारोबारी यात्रा लाभदायक हो सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। नौकरी में नई उपलब्धि मिल सकती है। अनावश्यक विवादों से दूर रहना बेहतर होगा।

धनु राशिः आज अचानक धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार के बड़े-बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा।

मकर राशिः आज अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। छोटी-छोटी बातों पर विवाद हो सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

कुंभ राशिः आज व्यापार और नौकरी में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। पुराने मित्र से मुलाकात संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन राशिः आज कामकाज में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर चलें। परिवार में शांति बनाए रखने के लिए धैर्य से काम लें।

नीट युजी का विरोधाभासः लाखों विद्यार्थी प्रतिस्पर्धा में शामिल, फिर भी मेडिकल सीटें खाली



डॉ. विजय गर्ग

भारत की चिकित्सा शिक्षा प्रणाली एक अजीब विरोधाभास का सामना कर रही है। हर साल लाखों विद्यार्थी डॉक्टर बनने का सपना लेकर नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में शामिल होते हैं। वे वर्षों तक तैयारी करते हैं, कोचिंग कक्षाओं में जाते हैं, अपना मनोरंजन और खाली समय त्याग देते हैं तथा अपनी शिक्षा पर काफी धन खर्च करते हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि कई बार काउंसलिंग के अनेक चरणों के बाद भी सैकड़ों मेडिकल सीटें खाली रह जाती हैं।

यह स्थिति एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है कि जब इतने सारे विद्यार्थी चिकित्सा की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो कुछ मेडिकल कॉलेज अपनी सभी उपलब्ध सीटें क्यों नहीं भर पाते?

इसका उत्तर शिक्षा की लागत, प्रवेश नीतियों, संस्थानों की गुणवत्ता, भौगोलिक स्थिति और विद्यार्थियों की प्राथमिकताओं से जुड़ा हुआ है।

नीट भारत की सबसे अधिक प्रतिस्पर्धात्मक प्रवेश परीक्षाओं में से एक बन चुकी है। हर साल लाखों विद्यार्थी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में सीमित एमबीबीएस सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। सरकारी संस्थानों में सामान्यतः फीस अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों में ट्यूशन फीस बहुत अधिक हो सकती है। अनेक योग्य विद्यार्थियों के लिए नीट में अच्छी रैंक प्राप्त करना ही चिकित्सा शिक्षा हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि वे इसका खर्च वहन करने में सक्षम नहीं होते।

खाली सीटों का एक प्रमुख कारण विभिन्न कॉलेजों की फीस में भारी अंतर है। कोई विद्यार्थी नीट उत्तीर्ण करके प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकता है, लेकिन निजी संस्थान द्वारा निर्धारित फीस का भुगतान करने में असमर्थ हो सकता है। आवास, परिवहन, किताबों और अन्य सुविधाओं पर होने वाला खर्च भी आर्थिक बोझ बढ़ा देता है। परिणामस्वरूप योग्य उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद कुछ सीटें खाली रह जाती हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण कारण विद्यार्थियों की प्राथमिकताओं में अंतर है। अधिकांश विद्यार्थी सरकारी मेडिकल कॉलेजों को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि वहाँ फीस कम होती है, संस्थान की प्रतिष्ठा अच्छी होती है तथा अनुभवी शिक्षक और बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं। दूसरी ओर, अत्यधिक फीस लेने वाले कुछ निजी संस्थान विद्यार्थियों को आकर्षित नहीं कर पाते। इसलिए समस्या हमेशा योग्य विद्यार्थियों की कमी नहीं होती, बल्कि उपलब्ध सीटों और विद्यार्थियों की आर्थिक क्षमता एवं अपेक्षाओं के बीच असंतुलन होता है।

कॉलेज की भौगोलिक स्थिति भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विद्यार्थी अपने गृह राज्य से दूर स्थित कॉलेजों में प्रवेश लेने से हिचकिचा सकते हैं। भाषा की समस्या, रहने की कठिनाइयाँ, अपरिचित वातावरण और क्लिनिकल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को लेकर चिंताएँ इसके प्रमुख कारण हैं। कुछ विद्यार्थी अपनी पसंद के कॉलेज में प्रवेश न मिलने पर दोबारा नीट की तैयारी करना अधिक उचित समझते हैं।

काउंसलिंग प्रक्रिया भी कई बार समस्याएँ पैदा करती है। प्रवेश के अनेक चरण, बदलती प्राथमिकताएँ, निर्णय लेने में देरी और फीस के बारे में अस्पष्टता विद्यार्थियों को कुछ सीटें स्वीकार करने से रोक सकती है। जब बाद के चरणों में सीटें खाली होती हैं, तब तक कई विद्यार्थी दूसरे विकल्प चुन चुके होते हैं।

नीट युजी 2026 के आँकड़े इस विरोधाभास को और भी स्पष्ट करते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, ऑल इंडिया काउंसलिंग के तीसरे चरण के बाद 3,426 एमबीबीएस सीटें खाली रह गई थीं। इसके बाद के काउंसलिंग चरणों में भी सैकड़ों सीटें नहीं भर सकीं। नवंबर में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, विशेष स्ट्रे वैकेंसी राउंड के बाद भी 411 एमबीबीएस सीटें खाली थीं। इनमें से काफी सीटें निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों से संबंधित थीं।

ये आँकड़े बताते हैं कि निजी चिकित्सा शिक्षा का आर्थिक बोझ एक गंभीर चिंता का विषय है। कुछ संस्थानों में वार्षिक ट्यूशन फीस 25 से 30 लाख रुपये या इससे भी अधिक हो सकती है। जब हॉस्टल, भोजन और अन्य खर्चों को जोड़ा जाता है, तो एमबीबीएस की पूरी पढ़ाई का खर्च सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों की पहुँच से बाहर हो जाता है।

यह स्थिति चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के उद्देश्य पर भी सवाल उठाती है। भारत में डॉक्टरों की कमी, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, दूर करने के लिए मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है। लेकिन केवल सीटों की संख्या बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, यदि विद्यार्थी उनकी फीस का भुगतान ही नहीं कर सकते।

चिकित्सा शिक्षा की नीतियों की व्यापक समीक्षा करने की आवश्यकता है। निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस पारदर्शी और उचित होनी चाहिए। नियामक संस्थाओं को फीस, बुनियादी ढाँचे, शिक्षकों की संख्या, अस्पताल की सुविधाओं और शिक्षा के स्तर के बीच संतुलन की जाँच करनी चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के योग्य विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, उचित शर्तों पर शिक्षा ऋण और वित्तीय सहायता की सुविधाएँ अधिक सुलभ बनाई जानी चाहिए।

इसके साथ ही काउंसलिंग अधिकारियों को प्रवेश प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। खाली सीटों की जानकारी समय पर जारी करना, फीस के बारे में स्पष्ट जानकारी देना तथा योग्य विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना खाली सीटों की संख्या कम करने में सहायक हो सकता है। एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा मेडिकल कॉलेजों का भौगोलिक वितरण है। संस्थानों को उन क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। इससे चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ स्थानीय स्वास्थ्य सेवाएँ भी मजबूत हो सकती हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

औरैया में 23 नवंबर को लगेगा विज्ञान मॉडल मेला, विजेता को मिलेंगे पांच हजार रुपये

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी दिखाएंगे वैज्ञानिक प्रतिभा, जिला स्तरीय प्रतियोगिता में मिलेगा नवाचार को मंच

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 23 नवंबर को दिबियापुर में जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी विज्ञान आधारित मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को पांच हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा जिला विज्ञान क्लब औरैया की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम रविवार को सुबह 10 बजे सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दिबियापुर में शुरू होगा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर प्रयोग, तकनीक और नए विचारों के जरिए विज्ञान को समझने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच हजार, द्वितीय पुरस्कार तीन हजार, तृतीय पुरस्कार दो हजार और सांत्वना पुरस्कार के रूप में एक हजार रुपये दिए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ ही समस्याओं के समाधान खोजने और नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम जिलाधिकारी एवं जिला विज्ञान क्लब अध्यक्ष बृजेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं क्लब सचिव कमलेश पांडेय, जिला समन्वयक मोहित सिंह तथा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दिबियापुर के प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आयोजित होगा।

जिला विज्ञान क्लब ने जनपद के सभी विद्यालयों से अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराने की अपील की है, जिससे विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को पहचान मिल सके और उन्हें नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो।

खुद को गोली मारकर आत्महत्या मामले में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

आत्महत्या से पहले युवक ने रोते हुए बनाए थे चार वीडियो

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र के रिठारी गांव में एक युवक के आत्महत्या के मामले में बुधवार को परिजन की तहरीर पर पुलिस ने 06 लोगों के खिलाफ मारपीट कर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है।

कुरारा क्षेत्र के रिठारी गांव निवासी धीरेंद्र सिंह पुत्र बाबू सिंह ने बुधवार को थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके भाई गौरव सिंह ने एक नवंबर को खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। घटनास्थल से पुलिस ने असलहा व खोखा कारतूस बरामद किया था। बताया कि दो दिन पहले मृतक के मोबाइल का पासवर्ड उसकी डायरी में लिखा मिला तब उसका मोबाइल खोल कर देखा गया तो उसने मृत्यु से पहले चार वीडियो बनाए थे। जिसमें उसने बताया है कि धमकी देने, व अपमानित किए जाने, व आत्महत्या को मजबूर करने के लिए उसे मजबूर किया गया है। बताया कि पिछले माह नलकूप में घेरकर गांव के ही घनश्याम यादव , पुष्पेंद्र यादव, योगेन्द्र यादव उर्फ जग्गा, बदलू यादव, नीरज यादव उर्फ वकील तथा डामर गांव निवासी कौशल यादव ने गौरव सिंह के साथ मारपीट की गई थी।

पहली जन चौपाल में आज सीएम योगी करेंगे संवाद, कार्यकताओं और नागरिकों से जानेंगे जनता का मिजाज

गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अपने गृह जनपद गोरखपुर से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशव्यापी 'जन चौपाल' अभियान का औपचारिक आगाज करने जा रहे हैं। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे इस महाअभियान की पहली चौपाल आज गुरुवार दोपहर 3:00 बजे कचहरी स्थित टाउन हॉल मैदान में आयोजित होगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पार्टी पदाधिकारियों, बूथ कार्यकताओं और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद कर जमीनी हकीकत और जनता के मिजाज को टटोलेंगे।



सभी 403 विधानसभा सीटों तक पहुंचेगा अभियान

भाजपा संगठन की रणनीति के अनुसार, गोरखपुर महानगर से शुरू होने वाला यह जन संवाद कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक ले जाया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य सरकार और आम जनता के बीच की दूरी को कम करना और सीधे फीडबैक प्राप्त करना है। अभियान के तहत गांव-मोहल्लों और वार्ड स्तर पर चौपाल लगाकर लोगों की स्थानीय समस्याओं, सुझावों और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर लाभार्थियों के अनुभव सुने जाएंगे।

प्रदेश भर में इस अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र संयोजकों को सौंपी गई है।

टाउन हॉल मैदान में भव्य तैयारियां

पहली जन चौपाल को ऐतिहासिक बनाने के लिए गोरखपुर महानगर भाजपा इकाई ने पूरी ताकत झोंक दी है। कार्यक्रम में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता सहित स्थानीय पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गोलघर व आसपास के क्षेत्रों में व्यापारियों और नागरिकों से व्यापक जनसंपर्क कर उन्हें आमंत्रित किया है। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है।

विकास परियोजनाओं की भी मिलेगी सौगात

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जन चौपाल में संवाद करने के साथ-साथ जिले को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। इसमें 491 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उत्तर प्रदेश के पहले वानिकी (फॉरेस्ट्री) विश्वविद्यालय का शिलान्यास समेत कुल 55 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास शामिल है। इसके अतिरिक्त, कल 50 हजार छात्रों को टैबलेट वितरण का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अपने गढ़ गोरखपुर से जन चौपाल की शुरूआत कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल कार्यकताओं में नया उत्साह भरना चाहते हैं, बल्कि सीधे जनता के बीच जाकर आगामी चुनावी समीकरणों से पहले जमीनी नब्ज भी परख रहे हैं।

स्वस्थ कैंपस, स्टार्टअप और उद्योग से जुड़ी शिक्षा से बनेगा विकसित भारत : प्रो. सुधांशु पांडिया



कानपुर।

कैंपस में बदलाव से देश के विकास की राह तैयार होगी। विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ शिक्षा को उद्योग, समाज और वैश्विक जरूरतों से भी जोड़ना होगा। विश्वविद्यालय सात स्तंभों वाला रोडमैप तैयार कर रहा है। यह बातें बुधवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में 'विकसित कैंपस-विकसित भारत' सम्मेलन में प्रति कुलपति प्रो. सुधांशु पांडिया ने कहीं।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. पांडिया, डॉ. वंदना पाठक, डॉ. एएस प्रसाद तथा संयोजक डॉ. सिधांशु राय और डॉ. विवेक सचान ने किया।

डॉ. वंदना पाठक ने कहा कि मानसिक शांति के बिना विकास अधूरा है। पढ़ाई में वेलनेस शामिल करना होगा, ताकि विद्यार्थी मानसिक संतुलन के साथ आगे बढ़ें। डॉ. प्रसाद ने स्वस्थ कैंपस को विकसित भारत की नींव बताते हुए स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की सांख्यिकी अधिकारी सोनिका रस्तोगी ने शिक्षा-उद्योग में तालमेल जरूरी बताया, ताकि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ रोजगार के लिए तैयार हों। टाई उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राव विक्रम सिंह ने हर कॉलेज में एक स्टार्टअप का सुझाव दिया। भारतीय उद्योग संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच देने की बात कही।

पूर्व रोटरी गवर्नर सीए डीसी शुक्ल ने सामाजिक जिम्मेदारी को विकास का जरूरी हिस्सा बताया। सर पदमपत सिंघानिया की प्रधानाचार्य भावना गुप्ता ने शिक्षा में नवाचार पर बल दिया।

विद्यार्थियों ने कौशल विकास, मार्गदर्शन और स्टार्टअप शामिल करने के सुझाव दिए।

सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति पर युवा संवाद में उमड़ी युवाओं की आवाज

कानपुर।

सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और नई पीढ़ी के विचारों को लेकर कानपुर के मंधना में आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम में युवाओं की आवाज गूंजी। राष्ट्र निर्माण संस्था की ओर से बुधवार को महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक युवा शामिल हुए। इस दौरान आध्यात्मिक वक्ता किशोरी और राष्ट्र निर्माण संस्था के अध्यक्ष सुरेश चव्हाणके और अन्य वक्ताओं के साथ युवाओं ने धर्म, आस्था, सोशल मीडिया पर धार्मिक जानकारी की विश्वसनीयता और सनातन परंपराओं से जुड़े सवालों पर खुलकर संवाद किया।

कार्यक्रम में सवाल-जवाब के साथ भजन और संगीत ने भी माहौल को भक्तिमय बनाया। संवाद के दौरान युवाओं ने पूछा कि सोशल मीडिया पर सनातन धर्म और धार्मिक परंपराओं को लेकर तरह-तरह की जानकारियां सामने आती हैं। ऐसे में सही और गलत जानकारी के बीच अंतर कैसे किया जाए? किसी व्यक्ति के धर्म के बारे में किए गए दावे की सत्यता कैसे जांचें? किशोरी ने विस्तार से युवाओं की जिज्ञासा का समाधान किया। युवाओं ने यह भी जानना चाहा कि नई पीढ़ी आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से जुड़े रहते हुए अपनी धार्मिक परंपराओं को सही तरीके से कैसे समझ सकती है।

एक छात्र ने सवाल किया कि आज के प्रतिस्पर्धा भरे दौर में सफलता हासिल करने का मंत्र क्या है?

जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युवाओं को किस रास्ते पर चलना चाहिए?

मुरादाबाद में नारी स्वावलंबन की नई गाथा, 43,348 महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी'

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को योगी सरकार के विजन से मिली रफ्तार

मुरादाबाद।

योगी सरकार के महिला सशक्तीकरण और ग्राम्य स्वावलंबन के संकल्प ने मुरादाबाद जनपद में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदल दी है। जनपद में इस अभियान के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से 61,838 संभावित लखपति दीदियों का चिन्हांकन किया गया, जिसके पश्चात 56,367 लखपति दीदियों का डिजिटल आजीविका रजिस्टर भरा गया।

इस व्यापक कवायद के परिणामस्वरूप जनपद में 43,348 दीदियों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक पाई गई है, जो आज अपने परिवारों की आर्थिक उन्नति का आधार बन चुकी हैं।



दीनदयाल अंत्योदय योजना-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (डे-एनआरएलएम) के अंतर्गत जनपद में योजना के आरम्भ से अब तक 14 हजार 118 स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 1,53,609 परिवारों को आच्छादित किया जा चुका है। शासन की मंशानुरूप महिलाओं को स्वरोजगार और समूह संचालन से जोड़ने के लिए स्टार्टअप फंड, रिवाल्विंग फंड व सामुदायिक निवेश निधि के रूप में कुल 104 करोड़ 29 लाख 31 हजार रुपये की धनराशि से लाभान्वित किया गया है, जबकि बैंकों से कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के तहत 61 करोड़ 39 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर 44 करोड़ 26 लाख रुपये सीधे समूहों के खातों में वितरित किए जा चुके हैं।

तीन दिवसीय निःशुल्क स्वांस, फेफड़ा मोबाइल चेक अप कैंप की शुरूआत

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अस्सी स्थित ब्रेथ हॉस्पिटल द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क स्वांस, फेफड़ा मोबाइल चेक अप कैंप की शुरूआत हुई। कैंप की शुरूआत के लिए तैयार की गई वैन को ब्रेथ ईजी हॉस्पिटल की निदेशिका डॉ. सुनीता पाठक एवं डॉ स्वप्निल पाठक संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



उन्होंने संयुक्त रूप से बताया कि ब्रेथ ईजी वैन वाराणसी के प्रमुख चौराहों पर जाएगी और वहाँ कंप्यूटर मशीन द्वारा वाराणसी की जनता की फेफड़े की क्षमता मापेगी, जिससे लोग अपने फेफड़े के लिए जागरूक हो सकेंगे। ब्रेथ ईजी के वरिष्ठ टी.बी, एलर्जी, श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ एस. के. पाठक तथा मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत के पूर्व पल्मोनॉलिजिस्ट डॉ. स्वप्निल पाठक ने वर्तमान समय में बीमारियों के बारे में बताते हुए कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही फेफड़ों की बीमारियों-जैसे क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, दमा और बदलते मौसम व प्रदूषण के कारण होने वाले श्वसन विकारों के प्रति जन जागरुकता फैलाना तथा उनके आधुनिकतम उपचारों से जनता को अवगत कराना है।

डॉ. एस. के. पाठक ने कहा कि "सर्दियों के आगमन और बढ़ते प्रदूषण के कारण श्वास और दमा के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रहा है। ऐसे में एक सही पहचान और आधुनिक पद्धतियों से इलाज बेहद जरूरी है। एसोसिएट डायरेक्टर व कंसलटेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. स्वप्निल पाठक ने इस अवसर पर कहा कि श्वसन रोगों के इलाज में सही इनहेलेशन डिवाइसेस का चुनाव और उनका सही तरीके से उपयोग करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि सही दवा का होना। आज चिकित्सा विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि गंभीर से गंभीर साँस के मरीजों को भी एक सामान्य और सक्रिय जीवन दिया जा सकता है।

पंच दिवसीय समारोह का हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल ने किया उद्घाटन

श्रीधाम वृन्दावन भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आल्हादिनी शक्ति स्वरूपा श्रीराधा रानी की लीला भूमि है: कविंदर गुप्ता

मथुरा।

बुधवार वृन्दावन स्थित नवनिर्मित दयाराम बद्री केदार आश्रम का पंच दिवसीय भव्य उद्घाटन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यन्त श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ प्रारम्भ हो गया है। दयाराम चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव का शुभारंभ प्रातः काल गाजे-बाजे के मध्य निकाली गयी भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। तत्पश्चात महोत्सव में मुख्य अतिथि हिमांचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल कविंदर गुप्ता, पूज्य सद्गुरुदेव पूर्व प्राचार्य डॉ. राम कृपालु त्रिपाठी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि बिन्दु गुप्ता ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य दीप



प्रज्ज्वलित करके एवं रिबन काटकर आश्रम का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा देव पूजन व 108 ब्राह्मणों द्वारा सहस्त्र चंडी पाठ भी प्रारंभ हुआ। राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आल्हादिनी शक्ति स्वरूपा श्रीराधा रानी की लीला भूमि है। यहां भागवत प्रवक्ता आचार्य कमल नयन महाराज द्वारा आश्रम की स्थापना की गई है, वो अति प्रशंसनीय है। हमें विश्वास है कि आश्रम द्वारा संचालित सभी सेवा प्रकल्पों से विश्वभर में भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति का परचम लहराया जायेगा।

सदगुरुदेव डॉ. राम कृपालु त्रिपाठी महाराज ने कहा कि आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष ने संकल्प लिया है कि विश्वभर में चहुमुखी कुठाराघात झेल रहे सनातन धर्म और भारतीय वैदिक संस्कृति को पुनः स्थापित करने हेतु जीवन भर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर संयोजक आचार्य युगल किशोर कटारे, आचार्य मंगेश दुबे, मीडिया प्रभारी डॉ. राधाकांत शर्मा, अंकित भैया आदि उपस्थित रहे।

अक्षय नवमी पर कान्हा की नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पंचकोसीय परिक्रमा

भोर से ही परिक्रमा मार्ग पर लगी भक्तों की कतारें, राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंजी धर्मनगरी

मथुरा।

अक्षय नवमी के पावन पर्व पर बुधवार को कान्हा की नगरी भक्ति, श्रद्धा और आस्था के रंग में सराबोर नजर आई। अक्षय पुण्य प्राप्त करने की कामना को लेकर मंगलवार शाम से ही शुरू हुआ परिक्रमा का यह दौर बुधवार को भी पूरे उत्साह के साथ देरसायं तक निरंतर जारी रहा। इस पुण्य अवसर पर मथुरा मथुरा के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों तथा हाथरस, अलीगढ़, आगरा और भरतपुर जैसे पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। परिक्रमा मार्ग पर उमड़े जनसैलाब में सबसे अधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की रही।



बुधवार की सुबह तड़के कई श्रद्धालुओं ने ऐतिहासिक विश्राम घाट पर पवित्र यमुना स्नान कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात गऊघाट क्षेत्र व भूतेश्वर महादेव मंदिर के आसपास अक्षय नवमी पर परिक्रमा करते श्रद्धालु मार्ग पर भक्तों का रेला लगातार बढ़ता चला गया। हाथों में पूजा की थाली, मुख पर राधे-कृष्ण का नाम और मन में आराध्य के दर्शन की अभिलाषा लिए भक्त भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे। आस्था के इस पथ पर श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारे लगाते हुए भक्तों के कदम जब आगे बढ़े, तो पूरे परिक्रमा मार्ग पर मानो एक लंबी मानव श्रृंखला सी बन गई। जो बुधवार शाम तक निरंतर बनती रही।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन अक्रूर जी भगवान श्रीकृष्ण और बलराम को कंस के वध के लिए गोकुल से मथुरा लेकर आए थे। मथुरा आगमन के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण ने नगर के चारों कोनों पर स्थित प्रमुख शिव मंदिरों में देवाधिदेव महादेव के दर्शन व पूजन किए थे। इसी पौराणिक प्रसंग की स्मृति में मथुरा-वृंदावन में अक्षय नवमी पर परिक्रमा लगाने की परंपरा चली आ रही है।

जल जीवन मिशन से मधूपुर में बदली पेयजल व्यवस्था, 440 घरों तक पहुंचा नल से जल

सोलर प्लांट से हो रही नियमित जलापूर्ति, पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों का रेस्टोरेशन भी पूरा

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद की औरैया ब्लाक के ग्राम मधूपुर में पेयजल व्यवस्था में बदलाव आया है। गांव के सभी 440 घरों में घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। अब ग्रामीणों को सुबह और शाम नियमित रूप से नल से पानी मिल रहा है।

गांव में प्रतिदिन सुबह दो घंटे और शाम दो घंटे जलापूर्ति की जा रही है। योजना शुरू होने से पहले ग्रामीण पेयजल के लिए मुख्य रूप से हैंडपंप और कुओं पर निर्भर थे। अब घरों में नल से पानी मिलने के कारण रोजमर्रा की जरूरतें आसानी



से पूरी हो रही हैं। जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन के लिए गांव में 16.4 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है। गांव में कुल 5792.40 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। इसके दौरान प्रभावित हुई 5.076 किलोमीटर सड़क का रेस्टोरेशन शत-प्रतिशत पूरा करा लिया गया है। पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए व्यवस्था की गई है। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

ग्रामीणों को मिल रही राहत

ग्राम मधूपुर निवासी नेहा ने बताया कि उनके घर में सुबह और शाम नियमित रूप से पानी आता है। घर पर ही नल से पानी मिलने के कारण रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना आसान हो गया है। वहीं पूजा ने बताया कि पहले पानी भरने के लिए करीब 100 मीटर दूर कुएं तक जाना पड़ता था। अब घर पर पानी उपलब्ध होने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। अन्नपूर्णा ने भी नियमित जलापूर्ति से परिवार को मिल रही राहत की जानकारी दी।

जनपद में 2.15 लाख से अधिक घरों तक पहुंचे कनेक्शन

जल जीवन मिशन के तहत जनपद में कुल 2,17,903 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके सापेक्ष अब तक 2,15,120 परिवारों को कनेक्शन दिए जा चुके हैं। जनपद की कुल ग्रामीण आबादी 11,45,323 है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन सुबह और शाम दो-दो घंटे जलापूर्ति की जा रही है। औसतन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

जनपद में अब तक 353 गांवों को हर घर जल प्रमाणित किया जा चुका है। नियमित जलापूर्ति का लाभ 2,06,385 ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है। इसके अलावा जलापूर्ति व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए जिले में सोलर आधारित 331 पेयजल योजनाएं संचालित हैं।

3534 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई।

जनपद में जल जीवन मिशन के तहत कुल 3534 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। इस दौरान 2343 किलोमीटर सड़क प्रभावित हुई, जिसमें से 2342 किलोमीटर सड़क का रेस्टोरेशन पूरा कराया जा चुका है।

बलरामपुर में सड़क हादसा, पांच की मौत, दो घायल

बलरामपुर।

उत्तर-प्रदेश के जनपद बलरामपुर में घने कोहरे के चलते दो बाइकों की टक्कर में पांच लोगों की मौत गई है, जबकि दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। यह हादसा उतरौला क्षेत्र के अक्सीबड़हरा गांव के पास मध्य रात्रि में हुआ।

पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे हुए हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों मोटरसाइकिलों की भिड़ंत के दौरान कुछ पैदल राहगीर भी उसकी चपेट में आ गए। दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत को



देखते हुए उच्च चिकित्सा संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया।

मृतकों में गुफरान (18) निवासी बरदही, सलीम (20) निवासी बड़हरा खुर्द गौरियनडीह, रहमत (30) निवासी चन्द्रापुर चिताई, तौफीक (19) निवासी छपरतलवा और मोहम्मद फारूक (20) निवासी बड़हरा खुर्द शामिल हैं। सभी बलरामपुर जिले के निवासी थे। घायलों में मुजम्मिल खान (20) और नाहिद अली (18) निवासी बड़हरा खुर्द गौरियनडीह थाना उतरौला हैं।

पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। मौके से क्षतिग्रस्त दो मोटरसाइकिलें, दो टूटे हेलमेट और एक मृत बकरी मिली भी है।

छोटे दलों को अपने हिस्से की सीटें दे सकती है सपा, विपक्षी गठबंधन को मजबूती देने की रणनीति

लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी छोटे दलों को साथ जोड़ने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा तय होने के बाद सपा अपने हिस्से से आम आदमी पार्टी, महान दल और अपना दल कमेरावादी को सीटें दे सकती है। मकसद विपक्षी वोटों का बिखराव रोकना है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन को मजबूती व व्यापकता देने के लिए समाजवादी पार्टी अलग रणनीति पर काम कर रही है। वह पुराने छोटे साथी दलों को साथ रखने के लिए अपने कोटे की सीटें दे सकती है। क्षेत्रों में सीमित जनाधार वाले इन दलों को कुछ सीट देकर सपा को लाभ की उम्मीद है। साथ ही, इस कदम के जरिये वह अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के साथ-साथ सहयोगी कांग्रेस को भी राजनीतिक संदेश देना चाहती है।



सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी (आप), महान दल और अपना दल (कमेरावादी) सपा मुखिया अखिलेश यादव के संपर्क में हैं। कांग्रेस के साथ सीट वितरण तय हो जाने के बाद सपा इन दलों को अपने कोटे से कुछ सीटें दे सकती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव कह चुके हैं कि साथ छोड़कर जाने वाले दलों और विधायकों को दोबारा साथ नहीं लेंगे। उनका इशारा खास तौर पर सुभासपा की ओर था जो भाजपा नीत एनडीए की घटक है और भाजपा से अधिक-से-अधिक सीटें चाहती है।

आप दर्जन भर सीट पर कर रही तैयारी

आप व सपा के बीच तालमेल को लेकर बात हुई है। पंजाब में सत्ताधारी आप का मुकाबला भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस से भी है जबकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस व सपा का गठबंधन है। ऐसे में सपा के लिए चुनौती है कि वह कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी को कैसे समायोजित करती है।

दिलचस्प है कि कांग्रेस ने स्वामी प्रसाद मौर्य को अपने साथ रखा हुआ है जो सपा को निशाने पर लिए हुए हैं। मौर्य भी दावा कर रहे हैं कि वह कांग्रेस कोटे से अपने लिए सीटें मांगेंगे, न कि सपा से। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व आप मुखिया अरविंद केजरीवाल के भी अखिलेश से घनिष्ठ संबंध हैं। आप दर्जन भर सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। ऐन वक्त पर सपा उसे चार-पांच सीटें दे सकती है। ममता की पार्टी तृणमूल का यूपी में कोई जनाधार नहीं है लेकिन उसे एक या दो सीट मिल सकती है।

ईडी के खतरे से दूर हुए आजम, पर मंडरा रहा है आयकर विभाग का खतरा



जेल से छूटे आजम, पर इस वजह से फिर बढ़ सकती है मुसीबत

लखनऊ

आजम खां की ईडी वाले मामले में जमानत मिल गई है। पर उनकी मुश्किलें अभी खत्म नहीं होने जा रही हैं।

प्रदेश में जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री आजम खां की जेल से जमानत पर रिहाई ने भले ही उनकी मुश्किलों को कुछ कम किया है लेकिन अभी भी उनकी आगे की राह आसान नहीं है। उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों की लंबी फेहरिस्त है, जिसका अभी उनका सामना करना है। वहीं ईडी के बाद आयकर विभाग भी उन पर कार्रवाई करने की तैयारी में है। चुनाव से पहले आजम को इसके जरिये घेरा जा सकता है।

बता दें कि आजम को अदालत से राहत ईडी की गिरफ्तारी के तरीकों पर मिली है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दोष सिद्धि पर रोक की कार्यवाही को बरकरार रखा है। इन हालात में अब एजेंसियों को उन पर कानूनी शिकंजा कसने की नये सिरे से कवायद करनी होगी। जौहर ट्रस्ट में हुई वित्तीय अनियमितताओं के बाद उसका रजिस्ट्रेशन आयकर विभाग द्वारा रद करने के बाद उनसे तगड़ा जुमार्ना वसूला जाना है। आयकर विभाग द्वारा कदम बढ़ाने से आजम को फिर से मुश्किलों को सामना करना पड़ सकता है। वहीं ईडी द्वारा रामपुर में दर्ज कराई गई नई एफआईआर भी आजम और उनके करीबियों पर सख्ती का जरिया बन सकती है। इसके अलावा वर्ष 2022 में जल निगम भर्ती घोटाले में भी अभी आजम समेत सभी आरोपियों के खिलाफ ईडी की जांच बाकी है। इस मामले की एसआईटी जांच में उन्हें अन्य आरोपियों के साथ दोषी पाया जा चुका है।

बढ़ सकती है उनकी सियासी सक्रियता

कई गंभीर मामलों में अब आजम को राहत मिल चुकी है, इसलिए फ्रि से उनके राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय होने की अटकले भी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक जिस तरह से सपा समेत अन्य विपक्षी दलों के एजेंडे में मुस्लिम राजनीति पर फोकस किया जा रहा है।

प्रतापगढ़ के कुंडा में चल रही बागेश्वर सरकार की कथा में दूसरे दिन लाखों भक्तों का लगा जमावड़ा

प्रतापगढ।

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कुंडा के बेंती स्थित परेड ग्राउंड में बुधवार को श्रीराम कथा के दूसरे दिन आस्था का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि पूरा क्षेत्र महाकुंभ जैसा नजर आने लगा। भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं की भीड़ के आगे विशाल पंडाल भी छोटा पड़ गया। पंडाल के भीतर तिल रखने तक की जगह नहीं बची तो लाखों श्रद्धालु बाहर खड़े होकर ही पूरी तन्मयता से कथा का श्रवण करते रहे। चारों ओर जय श्रीराम के उद्घोष, भजन और भक्ति का उल्लास दिखाई दिया।



जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन के मार्गदर्शक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की मेजबानी में आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और मयार्दा का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा का विशेष आकर्षण पाकिस्तान से आए करीब 500 विस्थापित हिंदुओं की मौजूदगी रही। इन लोगों ने कथा में शामिल होकर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आशीर्वाद लिया। इस दृश्य ने आयोजन को भक्ति के साथ सनातन एकता और मानवीय संवेदना का भी प्रतीक बना दिया।

कथा के दौरान पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि मन में व्याप्त पाप और अंधकार को केवल ईश्वर की सच्ची भक्ति से ही दूर किया जा सकता है। जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अन्न आवश्यक है, उसी प्रकार परमात्मा की प्राप्ति के लिए जीवन में श्रद्धा और विश्वास जरूरी है। उन्होंने सनातन समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए बचपन के खेल का उदाहरण दिया। कहा कि जब एक बच्चा खंभे को मजबूती से पकड़ लेता था तो चार बच्चे मिलकर भी उसे खींच नहीं पाते थे।

चौदह कोसी परिक्रमा करने को अयोध्या में उमड़ पड़ा भक्तों का समूह

श्रद्धालुओं के लिए योगी सरकार की रही विशेष व्यवस्था, जगह-जगह पेयजल, शौचालय स्वास्थ्य शिविर के रहे प्रबंध

अयोध्या।

रामनगरी अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा के शुभारंभ के साथ ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। मंगलवार रात से शुरू हुई यह पावन परिक्रमा बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त से पहले ही जोरों पर थी। प्रभु श्रीराम की नगरी की धूल में पग रखते हुए बच्चे, बुजुर्ग, युवा और महिलाएं ह्यराम-राम श्री राम जय जय रामह्ण का जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। अनुमान के मुताबिक अब तक लगभग दो लाख श्रद्धालु परिक्रमा पूरी कर चुके हैं।

योगी आदित्यनाथ सरकार की मंशा के अनुरूप श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, एएसपी गौरव ग्रोवर और नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने सरयू घाट से लेकर लता मंगेशकर चौक तक विभिन्न व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से सीधे बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं का फीडबैक भी लिया।

भारी पुलिस बल के बीच ड्रोन से देखी गई व्यवस्था

प्रशासन की ओर से परिक्रमा मार्ग और प्रमुख स्थलों पर निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए। सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन के माध्यम से भी पूरे मेला क्षेत्र पर निरंतर नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) के जरिए लगातार दिशा-निर्देश, सुरक्षा उपायों और आवश्यक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। योगी सरकार के निदेर्शों के तहत पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

अध्यात्म के पथ पर चले कमिश्नर, साढे छह घंटे में पूरी की परिक्रमा

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने लगभग 6 घंटे 30 मिनट में चौदह कोसी परिक्रमा पूर्ण की। उन्होंने सहादतगंज स्थित हनुमानगढ़ी से परिक्रमा का शुभारंभ किया और निर्धारित मार्ग से यात्रा पूरी की। परिक्रमा के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थलों पर रुक कर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा का जायजा लिया।

उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद भी किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं निरंतर चुस्त-दुरुस्त रखी जाएं।

योगी सरकार ने अयोध्या की तो सूरत ही बदल दी है

परिक्रमा मार्ग पर मिले कानपुर निवासी बृजमोहन ने बताया कि मैं पिछले 18 साल से हर साल अयोध्या आता हूं। इस बार सुविधाएं पहले से कहीं बेहतर हैं। पानी के टैंकर हर थोड़ी दूरी पर हैं। रोशनी अच्छी है और पुलिस वाले भी बहुत सहयोग कर रहे हैं। योगी सरकार ने अयोध्या को कितना बदल दिया है, यह साफ दिख रहा है।

मिट्टी के टीलों के बीच चल रही अवैध शस्त्र फैक्टरी पुलिस ने पकड़ी, दो आरोपित गिरफ्तार

फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में थाना मटसेना पुलिस एवं एसओजी टीम ने बुधवार को संयुक्त कार्रवाई में अवैध शस्त्र फैक्टरी पकड़ी है। पुलिस ने मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से बने-अधबने तमंचे, कारतूस एवं शस्त्र बनाने के भारी मात्रा में उपकरण बरामद हुए हैं। सीओ सदर तेजस त्रिपाठी ने बताया कि थानाध्यक्ष थाना मटसेना विमलेश कुमार त्रिपाठी व एसओजी प्रभारी प्रेम शंकर पांडेय पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी उन्होंने सूचना के आधार पर अगरूपुरा में करकौली पौधशाला के पास मिट्टी के टीलों के बीच संचालित अवैध शस्त्र फैक्टरी पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से अवैध रूप से तमंचे बनाने एवं उनकी मरम्मत करने में संलिप्त 02 आरोपितों चेतराम पुत्र भगवानदास निवासी ग्राम अगरूकापुरा, थाना मटसेना और सूरज पुत्र मुन्नालाल निवासी मुखिया मंदिर वाली गली, आशाबाद, थाना रसूलपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कुल 12 तमंचे (06 तमंचे 12 बोर एवं 06 तमंचे 315 बोर, बने एवं अधबने), खोखा कारतूस 315 बोर, 07 लोहे की नाल 315 बोर, तमंचा बॉडी एवं भारी मात्रा में बने, अधबने तमंचे एवं अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध कार्यवाही कर उन्हें जेल भेजा है।

मोबाइल हैक कर खाते से निकाले 96 हजार रुपये साइबर सेल ने वापस कराए

मीरजापुर।

मोबाइल हैक कर यूपीआई के जरिए खाते से निकाली गई 96 हजार रुपये की रकम साइबर सेल ने बुधवार को वापस करा दी। रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने कोतवाली कटरा पहुंचकर पुलिस टीम का आभार जताया।

बथुआ रीवा रोड निवासी अरविंद कुमार सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह ने कोतवाली कटरा की साइबर सेल में ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर यूपीआई के जरिए खाते से 96 हजार रुपये निकाल लिए गए थे। पुलिस ने शिकायत को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में साइबर सेल ने बैंक और मर्चेंट से समन्वय स्थापित कर ठगी की रकम होल्ड कराई। इसके बाद पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई।

रकम मिलने पर अरविंद कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों और साइबर सेल टीम की सराहना की।

पुलिस टीम ने उन्हें साइबर ठगी से बचने के उपायों की जानकारी दी और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की।

कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक नीरज पाठक और कांस्टेबल इरफान अंसारी शामिल रहे।

जानलेवा हमले के मामले में चार दोषियों को सात-सात साल की सजा

जमीन विवाद में युवक को गोली मारकर किया था घायल, 1.16 लाख रुपये जुमार्ना भी लगा

मीरजापुर।

जमालपुर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने के मामले में अदालत ने चार दोषियों को सात-सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायालय ने प्रत्येक दोषी पर 29 हजार रुपये, कुल 1.16 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुमार्ना अदा नहीं करने पर छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

महेवां गांव निवासी रामकिशुन गौड़ ने 11 अक्तूबर 2016 को जमालपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि जमीन के पुराने विवाद में आरोपियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की। जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। आरोप था कि तमंचे से गोली चलाकर उनके पुत्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

गंगा स्नान: सात दिन बदला रूट, बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर नहीं होगी भारी वाहनों की आवाजाही

बिजनौर।

कार्तिक गंगा स्नान के चलते यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर दिया गया है। बुधवार को प्लान को लागू कर दिया गया है। प्लान के मुताबिक बुधवार यानि आज से 25 नवंबर तक बिजनौर-चांदपुर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। बुधवार सुबह यातायात पुलिसकर्मी की ड्यूटी कर दी गई है।

यहां से गुजरेंगे वाहन

बिजनौर शहर से दारानगर गंज होते हुए चांदपुर जाने वाले सभी भारी वाहन कृष्णा कालेज तिराहा से अम्हेड़ा तिराहा होते हुए चांदपुर जाएंगे।

चक्रवात की वजह से समय से पहले आएगी सर्दी, इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी

लखनऊ

चक्रवात अकवान के असर से उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। 20 नवंबर से हवा का रुख पुरवा हो जाएगा। वहीं 21 और 22 नवंबर को पूर्वांचल के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आजमगढ़, वाराणसी, प्रयागराज और मिजार्पुर के साथ सोनभद्र, चंदौली और गाजीपुर में बारिश के आसार हैं।



क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, चक्रवात और पुरवा हवाओं के असर से 20 से 22 नवंबर के बीच रात के तापमान में तीन डिग्री और दिन के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। 23 नवंबर से तापमान में फिर गिरावट आने के आसार हैं। फिलहाल अगले दो दिन मौसम और तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है।

उधर, बुधवार को ठंडी पछुआ हवाओं के चलते प्रदेश के कई जिलों में दिन और रात का तापमान सामान्य से नीचे रहा। सुबह और शाम ठंड का अहसास बढ़ गया। हालांकि, कहीं भी घना कोहरा दर्ज नहीं किया गया। बुधवार को 24.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ मुरादाबाद में सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं 9.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ मुजफ्फरनगर में सबसे ठंडी रात रही।

बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफान अकवान आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय इलाकों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान गुरुवार दोपहर तक उत्तरी आंध्र प्रदेश के यानम और दक्षिणी ओडिशा के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है। वहीं, हवा के झोंके 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।

कल से पुरवा होगी हवा, बढ़ेगा तापमान

अकवान चक्रवात के असर से राजधानी के मौसम में बदलाव के आसार हैं। शुक्रवार से हवा का रुख पुरवा हो जाएगा। इससे रात के तापमान में तीन से चार और दिन के तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। वहीं, 21 और 22 नवंबर को बादलों की आवाजाही देखने को मिल सकती है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक चक्रवात के प्रभाव से 20 से 22 नवंबर के बीच पुरवा हवाएं चलेंगी। इससे तापमान बढ़ेगा। 23 से फिर तापमान में गिरावट होने के आसार हैं।

वाराणसी : देव दीपावली पर शहर के प्रमुख मार्ग और चौराहे भी होंगे जगमग, सुरक्षा और प्रकाश के पुख्ता प्रबंध

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में देव दीपावली को ऐतिहासिक और अलौकिक बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारी समीक्षा बैठक कर अफसरों से गंगा नदी के दोनों तरफ के घाटों, प्रमुख मार्गों और चौराहों पर की जाने वाली विद्युतीय सजावट और अस्थायी प्रकाश व्यवस्था की कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन कर दिशा निर्देश दिए हैं।

गुरूवार को अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि आदमपुर, कोतवाली, दशाश्वमेध और भेलूपुर



जोन के अंतर्गत आने वाले सभी छोटे-बड़े घाटों पर श्रद्धालुओं की सुगमता और प्रकाश व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। नमो घाट, अहिल्याबाई घाट, दशाश्वमेध घाट, मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट सहित तमाम घाटों पर एलईडी झालर, फ्लड लाइट, पार लाइट और जनरेटर आदि की अस्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी विभिन्न वेंडर्स और फर्मों को सौंपी गई है। घाटों के अलावा शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों को भी रोशनी से नहलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सर्किट हाउस से पुलिस लाइन चौराहा, चौकाघाट, मकबूल आलम रोड और लकड़मंडी से नमो घाट वाया कज्जोखुरा चौराहा तक विशेष प्रकाश व्यवस्था और एलईडी पोल लाइट लगाने का कार्य किया जाएगा। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों और वेंडरों को समय रहते उच्च गुणवत्ता के साथ दो दिनों के भीतर कार्य पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं, ताकि देव दीपावली पर काशी आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अवैध असलहों की खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के दो आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में विंध्याचल पुलिस और एसओजी-सर्विलांस की संयुक्त टीम ने अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गिरोह के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 12 बोर की गन, 303 और 315 बोर के असलहे, कारतूस, चाकू और दो मोबाइल बरामद किए हैं। गिरोह का तीसरा सदस्य अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को मुखबिर की सूचना पर संयुक्त टीम ने देवरहा बाबा आश्रम के सामने तालाब से बघरा तिवारी गांव की ओर जाने वाली कच्ची सड़क पर घेराबंदी की। इस दौरान बाइक सवार दो युवकों को पकड़ लिया गया। उनकी पहचान कैश खान निवासी चितावनपुर, थाना कोतवाली देहात और रमजान निवासी राजाबारी भागदेवर, बघरा तिवारी, थाना विंध्याचल के रूप में हुई।

तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से एक 12 बोर की गन, दो जिंदा और एक खोखा कारतूस 12 बोर, एक अद्धी 303 बोर, एक जिंदा कारतूस 303 बोर, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर और एक चाकू बरामद हुआ।

उड़ीसा से गांजा तस्करी करके एनसीआर में बेचने वाले दो गिरफ्तार, डेढ़ करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थ बरामद

नोएडा।

उड़ीसा से गांजा तस्करी करके एनसीआर में बेचने वाले गैंग के दो बदमाशों को थाना बादलपुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने आज एक संयुक्त अभियान के तहत गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 170 किलो 790 ग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये है।

पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने



बुधवार को बताया कि थाना बादलपुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा एक संयुक्त अभियान के तहत आज इरफान पुत्र बशीर और आसिफ पुत्र सगीर को अंबेडकर पार्क के सामने से गिरफ्तार किया गया है। इनके पास ट्रक से एक ट्रक में भरकर रखे हुए 177 किलो 790 ग्राम अवैध गांजा पुलिस ने बरामद किया है। यह गांजा एक ट्रक में भरकर आरोपी ला रहे थे। उन्होंने बताया कि बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब डेढ करोड़ रुपये है।

उन्होंने बताया गिरफ्तार अभियुक्त इरफान व आसिफ मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। इरफान गाड़ी का मालिक है तथा ड्राइविंग का काम करता है, तथा आसिफ ट्रक में हेल्पर का काम करता है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग बरामद गांजा उड़ीसा प्रांत से तस्करी करके गुरुग्राम लेकर जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि इन लोगों ने टूल बॉक्स के पास एक कैविटी बनाकर (जो की बिल्कुल डीजल टैंक जैसी प्रतीत हो रही थी) उसमें गांजा छुपा रखा था। ये लोग पूर्व में असम प्रांत की पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं।



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।



डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान



की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।





जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ

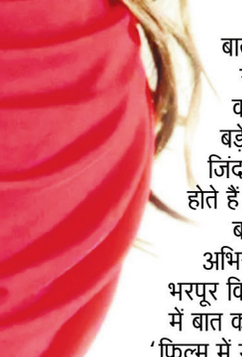

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



सादगी, ईमानदारी और समर्पण की राजनीति के प्रतीक दिनेश कटियार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

- पूर्व जिला अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य हैं
- फ़िल्म बोर्ड मे सदस्य बनाए जाने पर समर्थकों और शुभचिंतकों में हर्ष, बधाइयों का लगा तांता
- पैतृक गाँव अहमदपुर देवरिया जहानगंज का नाम फ़िल्मी दुनियां मे रोशन करने पर फर्रुखाबाद हुआ गदगद
- अब दिग्गज सिने स्टार भी पांचाल धरती का करेंगे वंदन और अभिनन्दन

यूथ इंडिया, लखनऊ/फर्रुखाबाद



भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य श्री दिनेश कटियार को भारत सरकार के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में सदस्य बनाए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। उनकी इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संगठन के प्रति वर्षों की निष्ठा, समर्पण और निरंतर कर्मठता का सम्मान माना जा रहा है।

श्री कटियार उन चुनिंदा राजनीतिक कार्यकर्ताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने राजनीति को कभी पद और प्रतिष्ठा प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाजसेवा और जनहित का दायित्व समझा। भाजपा के सच्चे, समर्पित और जमीनी कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपना पूरा जीवन संगठन की विचारधारा, कार्यकर्ताओं के सम्मान और जनसेवा के लिए समर्पित किया है।

उनकी सबसे बड़ी पहचान उनकी सादगी, ईमानदारी, उच्च विचार और सहज व्यवहार रहा है। राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आने के बावजूद उन्होंने अपने सिद्धांतों और आदर्शों से समझौता नहीं किया। पद की अपेक्षा विचारों को, दिखावे की अपेक्षा कर्म को और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की अपेक्षा संगठन के हित को प्राथमिकता देना उनके व्यक्तित्व की विशेषता रही है।

संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी सहज स्वीकार्यता ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई है। जमीन से जुड़कर काम करने की उनकी कार्यशैली इस बात का प्रमाण है कि राजनीति में वास्तविक सम्मान पद से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आचरण, विचारों और उसके द्वारा किए गए कार्यों से अर्जित होता है।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में सदस्य के रूप में मिली यह जिम्मेदारी उनके सार्वजनिक जीवन में एक नया अध्याय है। उनसे अपेक्षा है कि वे अपनी अनुभवशीलता, निष्पक्ष दृष्टिकोण और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से भारतीय सिनेमा को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री कटियार को मिली इस नई जिम्मेदारी पर राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है। निश्चित रूप से यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन मूल्यों और सिद्धांतों की प्रतिष्ठा है, जिनके सहारे उन्होंने अपना पूरा सार्वजनिक जीवन जिया है, और आज समाज मे उनका एक अहम स्थान है ।

72 जोड़ों का विवाह कराकर वत्सला और मनोज अग्रवाल ने निभाया अभिभावक का फर्ज, एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी कराया

- बेटियों का कन्यादान कर दी भावुक विदाई, बारातियों के भोजन से लेकर नवदंपतियों की गृहस्थी बसाने तक उठाई पूरी जिम्मेदारी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



समाजसेवा केवल सहायता देने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के सुख-दुख में अभिभावक बनकर खड़े होने का नाम है। इसी भावना की मिसाल नगर पालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल और पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल ने पेश की। 18 नवंबर को शहर के मधुर मिलन गेस्ट हाउस में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 72 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। इनमें 71 हिंदू जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए, जबकि एक मुस्लिम जोड़े का निकाह इस्लामिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया।

इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि वत्सला अग्रवाल और मनोज अग्रवाल ने महज आयोजक बनकर जिम्मेदारी नहीं निभाई, बल्कि बेटियों के अभिभावक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने कन्यादान की रस्म निभाकर बेटियों को आशीर्वाद दिया और भावुक माहौल में सम्मानपूर्वक उनकी विदाई कराई। नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी शुरू करने के लिए आवश्यक सामान भी उपहार स्वरूप दिया गया।

आयोजन की व्यापकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर-वधू पक्ष के परिवारों से लेकर बारातियों और दूर-दराज से आए रिश्तेदारों के भोजन और स्वागत-सत्कार तक की जिम्मेदारी आयोजकों ने स्वयं उठाई। किसी परिवार पर विवाह के आयोजन का आर्थिक बोझ न पड़े, इसके लिए भोजन, आवासीय सुविधाओं और विवाह से जुड़ी व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया।

समारोह में जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह सहित जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने भी नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया।

एक मंच पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

71 हिंदू जोड़ों के वैदिक विवाह और एक मुस्लिम जोड़े के निकाह ने समारोह को सामाजिक सद्भाव की विशेष पहचान दी। अलग-अलग धार्मिक परंपराओं के बावजूद सभी परिवार एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। यह आयोजन इस संदेश का प्रतीक बना कि सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदनाओं का कोई धर्म नहीं होता।

कुल मिलाकर वत्सला अग्रवाल और मनोज अग्रवाल ने 72 परिवारों की खुशियों में सहभागी बनकर सामूहिक विवाह को केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का उदाहरण बना दिया। जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान, सम्मानजनक विदाई और नई गृहस्थी बसाने में सहयोग ने समारोह को यादगार बना दिया।

सरसों की खड़ी फसल जोतकर नष्ट करने का आरोप, विरोध पर किसान को जान से मारने की धमकी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के नगला समयी गांव में खेत में खड़ी सरसों की फसल जोतकर नष्ट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान दीपेन्द्र सिंह ने गांव के ही पातीराम पुत्र रघुवर समेत चार लोगों पर फसल बर्बाद करने का आरोप लगाया है।

शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने किसान के खेत में खड़ी सरसों की फसल को जोतकर नष्ट कर दिया। जब दीपेन्द्र सिंह ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने मामले की शिकायत मोहम्मदाबाद कोतवाली में दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पातीराम समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा संख्या 396/26 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(4), 352 और 351(3) के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना से जुड़े आरोपों की जांच की जा रही है।

नेहरू कॉलेज के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग समेत दो गंभीर घायल, चालक फरार

- लिफ्ट लेकर बाइक पर बैठा था कृष्ण, हादसे के बाद बाइक छोड़कर भागा चालक, दोनों घायलों को लोहिया अस्पताल किया गया रेफर

यूथ इंडिया, नवाबगंज (फर्रुखाबाद)



थाना क्षेत्र में नेहरू कॉलेज के पास गुरुवार को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से सड़क हादसा हो गया। हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग और बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बाइक चालक मौके पर बाइक छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पीआरवी 112 और एंबुलेंस ने दोनों घायलों को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रामचंद्र सक्सेना (65) पुत्र रामस्वरूप निवासी बघौना नेहरू कॉलेज के पास वह दुकान से निकलकर सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान फर्रुखाबाद की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रामचंद्र सक्सेना गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

वहीं बाइक पर सवार कृष्ण पुत्र सुनील लगभग उम्र 16वर्ष कुमार निवासी रायपुर के संबंध में बताया गया कि उन्होंने नवाबगंज की तरफ आ रहे बाइक चालक से रास्ते में लिफ्ट मांगी थी और वह बाइक पर बैठ गए थे। इसी दौरान नेहरू कॉलेज के पास बाइक की टक्कर हो गई, जिसमें कृष्ण भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद बाइक चालक मौके पर बाइक छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी 112 पुलिस और एंबुलेंस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए फर्रुखाबाद स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया।

वक्फ की दुकान पर कब्जे को लेकर विवाद, ताला तोड़कर दूसरा ताला लगाने का आरोप

- मछलीटोला में दुकान को लेकर दो पक्ष आमने-सामने, पीड़ित ने मुतवल्ली समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस से की शिकायत

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

फतेहगढ़ के मछलीटोला इलाके में शिया वक्फ की एक दुकान पर कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है। दुकान का ताला तोड़कर दूसरा ताला लगा देने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने मुतवल्ली समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित ने दुकान में पहले से रखे रेडीमेड कपड़ों, नकदी और अन्य सामान का मिलान कराने के साथ ही दुकान पर दोबारा कब्जा दिलाने की मांग की है।

मछलीटोला निवासी मोहम्मद हमजा उर्फ अहमद मियां पुत्र स्वर्गीय सैयद नुसरत हुसैन नकवी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मछलीटोला स्थित शिया वक्फ की दुकान करीब 30 वर्ष पहले वक्फ अधिकारी (मुतवल्ली) द्वारा स्वर्गीय साजिद अली को किराये पर आवंटित की गई थी। साजिद अली और उनके परिवार का दुकान पर कब्जा चला आ रहा था। उनकी मृत्यु के बाद भी उनके पुत्र जमाल हैदर सहित परिवार के लोग दुकान का इस्तेमाल करते रहे।

पीड़ित के मुताबिक वह जमाल हैदर का मौसा है और करीब 40 वर्षों से उनके मकान में स्थायी रूप से रह रहा है। जमाल हैदर नौकरी के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जिसके चलते दुकान का संचालन वह स्वयं करता था। दुकान का किराया भी उसके द्वारा जमा किया जाता रहा है। वर्ष 2025 तक किराया साजिद अली के नाम से जमा किया गया। इसके बाद वक्फ बोर्ड के अधिकारियों के कहने पर किराये की रसीद पर अपना नाम भी लिखवाया था। उसका कहना है कि साजिद अली के परिवार की सहमति से वह दुकान में रेडीमेड कपड़ों का कारोबार कर रहा था।

प्रार्थना पत्र में बताया गया कि पारिवारिक परेशानियों के चलते पिछले कुछ दिनों से वह नियमित रूप से दुकान नहीं खोल पा रहा था, हालांकि बीच-बीच में दुकान खोलकर अपने सामान की देखरेख करता था। करीब एक सप्ताह पहले दुकान का शटर क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे ठीक कराने के लिए उसने दुकान का ताला खोला था। उस समय दुकान के अंदर रेडीमेड कपड़े, नकदी और अन्य सामान सुरक्षित रखा हुआ था। इसके बाद उसने दोबारा ताला लगाकर दुकान बंद कर दी थी।

आरोप है कि 13 नवंबर 2026 को दोपहर करीब तीन बजे जब दुकान बंद थी और वह मौके पर मौजूद नहीं था, तभी मुतवल्ली कासिम अब्बास, उनकी पत्नी रुकय्या अलवी तथा अलीशान और जीशान अपने साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे। आरोपितों ने दुकान का ताला तोड़कर अपना दूसरा ताला लगा दिया। आसपास के दुकानदारों से जानकारी मिलने पर पीड़ित मौके पर पहुंचा और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और फोटोग्राफी भी की।

पीड़ित ने अपनी शिकायत में कासिम अब्बास पुत्र स्वर्गीय मुनव्वर अली, रुकय्या अलवी पत्नी कासिम अब्बास निवासी मछलीटोला तथा अलीशान और जीशान पुत्रगण वाजिद अली निवासी गाड़ीखाना, फतेहगढ़ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक को चाकू मारा, पेट में लगे आठ टांके

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



हरदोई के तिथि गांव में बुधवार देर शाम गाली-गलौज का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। पड़ोस के युवक ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू पेट में गहराई तक लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए फर्रुखाबाद के लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इमरजेंसी में भर्ती कर उसका इलाज किया गया। चिकित्सकों ने घायल के पेट में आठ टांके लगाए हैं।

घायल अनुराग के मुताबिक, पड़ोस में रहने वाला एक युवक आए दिन गाली-गलौज करता है। बुधवार देर शाम आरोपी ने उसके दरवाजे पर लगा बल्ब भी तोड़ दिया। इस पर अनुराग घर से बाहर निकला और आरोपी से बल्ब तोड़ने का कारण पूछने लगा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

आरोप है कि पड़ोसी युवक के हाथ में पहले से चाकू था। उसने अचानक अनुराग के पेट पर चाकू से वार कर दिया। चाकू पेट में काफी अंदर तक चला गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा।

घटना के बाद परिवार के लोग आनन-फानन में उसे लेकर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया और पेट में आठ टांके लगाए। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

परिवार के लोगों का आरोप है कि आरोपी आए दिन गांव में गाली-गलौज और विवाद करता रहता है। वह गांव के कई अन्य लोगों पर भी हमला कर चुका है। परिजनों का कहना है कि आरोपी की हरकतों को लेकर पहले भी पुलिस से शिकायत की जा चुकी है। घटना के बाद परिवार ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को, नौ केंद्रों पर 2457 परीक्षार्थी होंगे शामिल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के लिए 28 नवंबर को परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिले में परीक्षा संपन्न कराने के लिए नौ केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर कुल 2457 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा को लेकर विद्यालय प्रशासन और शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र भेजकर केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। निर्धारित केंद्रों में कायमगंज के सीपी विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में 397, राजकीय इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 233, सूर्यकुमारी इंटर कॉलेज गंझना में 305 तथा महीयसी महादेवी वर्मा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 234 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

इसी तरह म्यूनिसिपल इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 364, भारतीय इंटर कॉलेज मोहम्मदाबाद में 288, शक्ति सैनिक इंटर कॉलेज मौधा में 214, आरपी इंटर कॉलेज कमालगंज में 216 और फिरोज गांधी जनता इंटर कॉलेज कमालगंज में 206 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे।

बारात में आतिशबाजी के दौरान बड़ा हादसा, 12 राउंड का पटाखा हाथ में फटा, युवक गंभीर घायल

यूथ इंडिया, कायमगंज/फर्रुखाबाद



कोतवाली क्षेत्र के गांव बराबिकू में बुधवार की रात बारात में आतिशबाजी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बारात में शामिल एक युवक के हाथ में 12 राउंड की आतिशबाजी फट गई। धमाका इतना तेज था कि युवक के पेट और कमर के नीचे का हिस्सा झुलस गया। हादसे के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। डॉक्टरों के मुताबिक फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार, कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के दरियावगंज गांव निवासी प्रकाश के बेटे दिनेश की बरात बुधवार को कायमगंज क्षेत्र के गांव बराबिकू आई थी। दिनेश की शादी गांव निवासी गेंदनलाल जाटव की बेटी हेमलता के साथ होनी थी। बरात पहुंचने के बाद द्वारचार की रस्म चल रही थी। इसी दौरान आतिशबाजी की जा रही थी।

बताया गया कि दूल्हे के गांव का रहने वाला 21 वर्षीय अनुप पुत्र राजेश जलती हुई 12 राउंड की आतिशबाजी हाथ में पकड़कर चलाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक आतिशबाजी उसके हाथ में ही फट गई। धमाके से अनुप के पेट और कमर के नीचे का हिस्सा झुलस गया तथा पेट में भी चोटें आईं।

हादसे के बाद परिजन और बराती घायल युवक को निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर पहुंचे। बुधवार रात करीब 1:30 बजे अस्पताल में उसका उपचार शुरू किया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. विपिन सिंह ने उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई।

घटना के बाद शादी समारोह में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

नवविवाहिता शिवानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पति पर प्रताड़ित करने का आरोप

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

नगर के मोहल्ला बगिया में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। रामप्रकाश वर्मा की 27 वर्षीय बेटी शिवानी का शव उसके ससुराल में कमरे के अंदर पंखे से लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के मायके पक्ष ने पति अंकित वर्मा पर शिवानी को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला बगिया निवासी रामप्रकाश वर्मा की 27 वर्षीय बेटी शिवानी का विवाह इसी वर्ष फरवरी में अंकित वर्मा के साथ हुआ था। अंकित कचहरी में बाबू का काम करता है। बताया गया है कि बीती रात करीब 8:15 बजे शिवानी के भाई सोनू ने फोन पर उससे लगभग पांच मिनट तक बातचीत की थी। बातचीत के दौरान शिवानी ने अचानक यह कहते हुए फोन काट दिया कि ये क्या है। इसके बाद सोनू को किसी अनहोनी की आशंका हुई तो उसने दोबारा बहन को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई।

सोनू के मुताबिक, उसने अगले 15 से 20 मिनट के दौरान पांच-छह बार फोन किया, लेकिन शिवानी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। इसी बीच करीब 8:45 बजे शिवानी के पति अंकित ने सोनू को वीडियो कॉल की और उसे बहन के फांसी पर लटके होने की जानकारी दी। वीडियो कॉल पर बहन की हालत देखकर सोनू स्तब्ध रह गया। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष में चीख-पुकार मच गई और परिजन तत्काल शिवानी के घर पहुंच गए।

परिजनों के पहुंचने पर शिवानी का शव बाहर वाले कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। मौके पर एक कुर्सी भी रखी हुई थी। परिजनों ने उसके चेहरे पर चोट का निशान होने की बात कही है। घटना की सूचना मिलने पर कादरी गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दोपहर बाद मृतका के भाई सोनू ने बताया कि अंकित के साथ उसकी मां रहती हैं, जबकि उसके पिता अलग स्थान पर किराये के मकान में रहते हैं। सोनू ने आरोप लगाया कि घटना से एक दिन पहले दोपहर में शिवानी और अंकित के बीच विवाद हुआ था। मायके पक्ष का आरोप है कि शिवानी को प्रताड़ित किया जा रहा था और उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया।

सोनू के अनुसार, अभी तक शव का पंचायतनामा नहीं भरा गया था और मजिस्ट्रेट के आने का इंतजार किया जा रहा था। नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

आबकारी विभाग का छापेमारी अभियान, थोक और फुटकर शराब दुकानों का औचक निरीक्षण

- स्टॉक रजिस्टर से लेकर पीओएस मशीन और सीसीटीवी कैमरों तक की जांच
- नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के नेतृत्व में 18 नवंबर 2026 को जिले की विभिन्न थोक और फुटकर मदिरा दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया।

अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 कुमार गौरव सिंह और आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 रीता वर्मा ने अपनी टीमों के साथ विभिन्न आबकारी अनुज्ञापन स्थलों की जांच की। इस दौरान देशी शराब की थोक दुकान सुनीता गुप्ता, विदेशी मदिरा की थोक दुकानें ईश्वरदास शिवानी और नंदनी देवी तथा बीयर की थोक दुकानें राजीव सिंह और ममता देवी का निरीक्षण किया गया।

इसके अलावा ठंडी सड़क स्थित एक्सिस बैंक और घूंघट पैलेस, चौसपुर क व ख, नगरिया देवघरा पुर, जीरागौर, गदनपुर देवराजपुर, महरूपुर बीजल, जहानगंज, रायपुर मौज और लाउवा नगला मान पट्टी स्थित देशी शराब की दुकानों की भी जांच की गई। वहीं ठंडी सड़क, महरूपुर बीजल और जहानगंज की कंपोजिट दुकानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान आबकारी टीम ने दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था, पीओएस मशीन के माध्यम से होने वाली बिक्री और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। इसके साथ ही देशी शराब की दुकानों से जुड़ी कैंटीनों का भी सघन निरीक्षण किया गया।

टीम ने दुकानों पर उपलब्ध मदिरा का मिलान अभिलेखों में दर्ज स्टॉक से किया। संबंधित अनुज्ञापियों को निर्देश दिए गए कि सभी आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखें और शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें।

आबकारी विभाग ने निरीक्षण के दौरान संबंधित दुकानदारों और अनुज्ञापियों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए।

जिला आबकारी विभाग के अनुसार जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मरीजों के भोजन की निविदा में फर्जीवाड़ा, दो फर्मों के जीएसटी प्रमाणपत्र निकले फर्जी

- सीएमओ की जांच में खुली पोल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद। स्वास्थ्य विभाग में मरीजों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के लिए जारी की गई निविदा प्रक्रिया में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जेम पोर्टल पर अपलोड किए गए दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान दो फर्मों के जीएसटी अदेयता प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए हैं। मामले का खुलासा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद उपाध्याय द्वारा कराई गई जांच में हुआ है। इसके बाद दोनों फर्मों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने 18 नवंबर को संबंधित थाने में प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के लिए जेम पोर्टल पर निविदा प्रकाशित की गई थी। इस निविदा प्रक्रिया में कुल 13 फर्मों ने प्रतिभाग किया था। जांच और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद तीन फर्मों को क्वालीफाई किया गया, जबकि शेष 10 फर्मों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। इनमें फर्म चिप एंड डेल को डिस्क्वालीफाई किया गया, जबकि मेसर्स बीपी सिंह एंड संस को क्वालीफाई किया गया है। फिलहाल निविदा की प्रक्रिया जेम पोर्टल पर जारी है।

निविदा में प्रतिभाग करने वाली फर्म चिप एंड डेल और मेसर्स बीपी सिंह एंड संस द्वारा पोर्टल पर अपलोड किए गए जीएसटी अदेयता प्रमाणपत्रों को लेकर संदेह होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद उपाध्याय ने उपायुक्त राज्य कर, खंड-02 फतेहगढ़ कार्यालय से उनका सत्यापन कराया। संबंधित विभाग से कराई गई जांच में दोनों फर्मों की ओर से लगाए गए जीएसटी अदेयता प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दोनों फर्मों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पत्र के आधार पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने 18 नवंबर 2026 को पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। तहरीर में दोनों फर्मों द्वारा निविदा प्रक्रिया में कथित रूप से फर्जी दस्तावेज अपलोड करने का उल्लेख करते हुए उनके खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

मामले में अब पुलिस की कार्रवाई पर नजर रहेगी। मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था से जुड़ी निविदा में फर्जी प्रमाणपत्र लगाए जाने का मामला सामने आने से विभागीय कार्यप्रणाली और निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, दोनों फर्मों के खिलाफ आरोपों की पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही होगी।